दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 201/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 20 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

बांग्ला देश को दूसरा झटका

सांध्यप्रकाश विशेष

रूस और भारत ने रक्षा लॉजिस्टिक्स समझौते पर किए हस्ताक्षर

मास्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि रूस और भारत ने एक नए रक्षा लॉजिस्टिक्स समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य अभ्यास, आपदा राहत और अन्य संयुक्त अभियानों में समन्वय को बढ़ाना है। यह समझौता, जिसे रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट कहा जाता है, रूस के उप रक्षा मंत्री कर्नल-जनरल अलेक्जेंडर फोमिन और भारत के रूस में राजदूत विनय कुमार के बीच हुई बैठक के बाद हस्ताक्षरित किया गया था। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने इस समझौते को सैन्य सहयोग को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण बताया और रक्षा संबंधों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया, कहते हुए कि पक्षों ने हस्ताक्षरित दस्तावेज के महत्व को स्वीकार किया और सैन्य क्षेत्र में आगे की बातचीत के लिए पुष्टि की कि वे विशेष रूप से विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की भावना में सहयोग को लगातार मजबूत करने पर केंद्रित हैं। इस पैक्ट के साथ दोनों देशों की सेनाओं के बीच संचालन की सुगमता बढ़ने की उम्मीद है, विशेष रूप से सैन्य अभ्यास और मानवीय या आपदा राहत अभियानों में। इस तरह के समझौते शांतिकालीन संचालन के लिए भौगोलिक अवसरों का विस्तार करते हैं।

भारतीय उद्योगपति ने की एलन मस्क की तारीफ, उनकी रणनीति पर शुरू की बहस

नई दिल्ली। वेदांता रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने अरबपति उद्यमी एलन मस्क की अनोखी रणनीति की जमकर तारीफ की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि मस्क को बाकियों से अलग करने वाली खास बात उनकी जोखिम भरी और ज्यादातर फायदेमंद रणनीतियां हैं। अग्रवाल ने मस्क के कारोबारी और उनकी नई भूमिका डीओजीई (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी) में अपनाए गए तौर-तरीकों पर प्रकाश डाला। अनिल अग्रवाल ने लिखा, एलन मस्क को जो सबसे अलग बनाता है, वह यह है कि वे बहुत जोखिम भरी (और आमतौर पर बहुत फायदेमंद) रणनीतियां अपनाते हैं। मैंने एक बात नोट की है कि अपने व्यवसायों और विश्व में नई भूमिका में, वे पहले सिकुड़ने (डाउनसाइजिंग) को अपनाते हैं, फिर विस्तार (रीसाइजिंग) करते हैं। हर कोई सोचता है कि क्या वे जरूरत से ज्यादा सख्ती कर रहे हैं? संगठन आखिर चलेगा कैसे? लेकिन मस्क पहले स्लेट को पूरी तरह साफ करते हैं। फिर वे दोबारा निर्माण करते हैं।

अग्रवाल ने आगे सवाल उठाया कि संगठन में बदलाव लाने का कौन सा तरीका बेहतर है। उन्होंने लिखा, कई लोग संगठन में बदलाव को रूढ़िवादी तरीके से लागू करते हैं, पूरी तरह उथल-पुथल की जगह धीरे-धीरे विस्तार पर ध्यान देते हैं। आपकी नजर में कौन सी रणनीति बेहतर है? मस्क की इस रणनीति को लेकर अग्रवाल ने बहस छेड़ दी कि क्या बड़े जोखिम के साथ पूरी तरह बदलाव जरूरी है या फिर धीमे और सुरक्षित कदम अधिक प्रभावी हैं।

एच-1बी वीजा नियमों में अमेरिका ने बदलाव किया, अब टेक्निकल डिग्री ही काफी नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका ने अपने देश में आने वालों के लिए एच-1बी वीजा नियमों में बड़ा बदलाव किया। एच-1बी वीजा के लिए टेक्निकल डिग्री ही काफी नहीं होगी। बल्कि, विशेषज्ञता को अनिवार्य कर दिया गया है। अमेरिका हर साल तकनीकी कर्मियों के लिए 65 हजार एच-1बी वीजा जारी करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में वापसी के साथ ही कुछ मामलों में खलबची मचा दी।

रेखा गुप्ता ने ली दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ

नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, मोहन यादव समेत 20 से ज्यादा राज्यों के मुख्यमंत्री हुए शामिल

- सुषमा स्वराज के बाद रेखा गुप्ता भाजपा की दूसरी महिला जो दिल्ली की मुख्यमंत्री बनेंगी।
- भाजपा और एनडीए की 21 राज्यों में सरकार। रेखा गुप्ता एकमात्र महिला मुख्यमंत्री।
- हाल में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ही महिला मुख्यमंत्री हैं। अब रेखा गुप्ता दूसरी होंगी।
- दिल्ली में कांग्रेस की शीला दीक्षित सबसे ज्यादा 15 साल मुख्यमंत्री रहीं। सबसे कम सुषमा स्वराज।

नई दिल्ली। शालीमार बाग, एक बार फिर चर्चा में है। यहां से भाजपा विधायक रेखा गुप्ता दिल्ली की 9वीं मुख्यमंत्री बन गईं हैं। उन्होंने रामलीला मैदान में सीएम पद की शपथ ली। रेखा गुप्ता के साथ 6 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह शामिल है। शपथ से पहले रेखा गुप्ता ने गुरुवार सुबह मीडिया से कहा था यह मुझ पर यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मुझ पर भरोसा जताने के लिए मैं मोदी और पार्टी हाईकमान का शुक्रिया अदा करती हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दिल्ली की सीएम बनूंगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास पर भी उन्होंने चर्चा की। बता दें भाजपा ने इसे शीशमहल नाम दिया था। अरविंद केजरीवाल ने इसे बनवाया था। भाजपा का आरोप है कि केजरीवाल ने इसे बनवाने में नियमों को ताक पर रखकर करोड़ों रुपए खर्च किए थे। भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा भी बनाया था।

6 मंत्रियों ने भी ली शपथ

रेखा गुप्ता ने किया ऐलान, मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी

रेखा गुप्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथग्रहण से पहले साफ कर दिया है कि वह केजरीवाल द्वारा तैयार कराए शीशमहल में नहीं रहेंगी। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने से पहले जब रेखा गुप्ता से पूछा गया कि क्या वह शपथग्रहण के बाद शीशमहल में रहेंगी तो दिल्ली की सीएम ने कहा कि नहीं, नहीं, मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी। रेखा गुप्ता ने बीजेपी के चुनावी वादे पर कहा कि 2500 रुपये की पहली किस्त आठ मार्च तक दिल्ली की महिलाओं के खातों में ट्रांसफर कर दी जाएगी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूरा करना दिल्ली में बीजेपी के सभी 48 विधायकों की जिम्मेदारी है।

प्रवेश वर्मा बोले- मैं अंतिम सांस तक भाजपा में रहूंगा

मंत्री पद की शपथ लेने वाले प्रवेश वर्मा ने कहा, मैं अंतिम सांस तक भाजपा में रहूंगा। मैं पार्टी का अनुशासित कार्यकर्ता हूं। पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे निभाउंगा। दिल्ली के प्रति हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

मोदी नये लोगों पर भरोसा करते है : मोहन यादव

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा, ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का परिणाम है, हमारे जैसे लोग कभी मुख्यमंत्री बनते हैं.. मेरे परिवार में कोई सांसद, विधायक, मंत्री नहीं है, लेकिन मुझे मुख्यमंत्री बनाया गया। सबका साथ सबका विकास केवल कहते नहीं हैं करके दिखाते हैं और नए लोगों पर भरोसा करते हैं। लोकतंत्र की खूबसूरती भी यहीं है। हर परिवार हर समाज से लोगों को जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी का भाव सबको साथ लेकर चलने का है और कुछ पार्टियां एक परिवार से बाहर नहीं आती...

महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना में काटे जाएंगे 4 लाख नाम

मुंबई। लाडकी बहिन योजना की लाभार्थियों को हर साल जून में बैंक जाकर ई-केवाईसी पूरा करना होगा और जीवन प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। ई-केवाईसी हर साल 1 जून से 1 जुलाई के बीच करवाना होगा। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना के लाभार्थियों को बड़ा झटका लगने जा रहा है। इस योजना में शामिल महिलाओं की संख्या में नौ लाख की कमी आने वाली है। 5 लाख महिलाओं के नाम पहले ही काटे जा चुके हैं। अब खबर है कि 4 लाख नए नाम काटे जाएंगे। बताया जा रहा है कि इससे राज्य सरकार को 945 करोड़ रुपए की बचत होगी।

केसीआर के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत करने वाले का कत्ल

हैदराबाद। पूर्व सीएम केसीआर के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत करने वाले का कत्ल हो गया, उसे चाकुओं से गोद डाला। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजलिंगमूर्ति को बुधवार को शाम 7.30 बजे उस वक्त चाकूबाजी में मार डाला गया, जब वह मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। हमले के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया और जांच जारी है। दरअसल राजलिंगमूर्ति ने अदालत में अक्टूबर 2023 में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अदालत से मांग की थी कि केसीआर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। उनसे जुड़े कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी केस फाइल करने की मांग की थी।

अमेरिका ने मिनटमैन-3 परमाणु मिसाइल का परीक्षण किया

वॉशिंगटन। अमेरिका ने मिटमैन-3 इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। इस परीक्षण से अमेरिका ने दुनिया को अपनी ताकत दिखाई है। पूरी दुनिया के सामने एक बार फिर से अपनी परमाणु ताकत का प्रदर्शन किया है। बिना हथियार वाली मिनटमैनमिसाइल का परीक्षण कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस में हुआ। यह परीक्षण अमेरिकी वायुसेना और वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस की टीम ने साथ में किया। मिनटमैन मिसाइल एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल है। इस परीक्षण के दौरान मिसाइल में कोई भी हथियार नहीं लगा था। लॉन्च के दौरान एक टेलीमीटर्ड जॉइंट टेस्ट असेंबली रीएंट्री व्हीकल लगया था, ताकि मिसाइल की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

सिम खरीदने के नियम हुए सख्त अब करना होगा यह काम

नई दिल्ली। देश में सिम कार्ड के खरीदने के नियम अब बदल गए हैं। ऐसा पिछले कुछ समय से बढ़ती साइबर अपराध की घटनाओं को देखते हुए किया गया है। इसके चलते लोगों को डेटा चोरी के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। अब इन घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने सिम कार्ड के नियमों को सख्त किया है। साइबर अपराध की घटनाओं में फर्जी सिम कार्ड की भूमिका अहम होती है। इसे देखते हुए टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिए गए हैं। केंद्र सरकार के टेलीकॉम विभाग ने सभी टेलीकॉम कंपनियों को डिजिटल इंटीग्रेटेड वेरिफिकेशन सिस्टम लागू करने को कहा है। इसका मतलब है कि अब ग्राहकों की पहचान के लिए सख्त नियम अपनाएं जाएंगे और सिम कार्ड बेचने से पहले कंपनियों को उन्हें अलग-अलग पैरामीटर पर वेरिफाई करना होगा।

ग्राहकों का फोटो 10 अलग-अलग एंगल से लेना होगा

सिम कार्ड देने से पहले कंपनियों को ग्राहकों का फोटो 10 अलग-अलग एंगल से लेना होगा। इसके अलावा यह भी जांच की जाएगी कि ग्राहक के नाम पर पहले से कितने कनेक्शन चल रहे हैं और क्या उसने अलग-अलग नाम से कनेक्शन लिए हैं। साइबर फ्रॉड रोकने की कोशिश में लगी सरकार ने फर्जी सिमकार्ड के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। अब तक 2.5 करोड़ नकली सिम कार्ड को ब्लॉक किया जा चुका है। हाल ही में खबर आई थी कि बिहार में भी 27 लाख सिम कार्ड ब्लॉक किए जाएंगे। बिहार में ऐसे लोगों के सिम कार्ड ब्लॉक करने के आदेश जारी हो गए हैं

धान उत्पादक किसानों को प्रति हेक्टेयर 2 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार धान उत्पादक किसानों को 2000 रुपए प्रति हेक्टेयर के मान से उनके बैंक खाते में अंतरित करेगी। इसका लाभ छोटे किसानों को भी मिलेगा। किसानों के हित में प्रदेश सरकार ने पहले कोदो-कुटकी के उत्पादन पर प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया। गेहूं उत्पादक किसानों से भी 2600 रुपए प्रति क्विंटल उपज खरीदी जाएगी। दुग्ध उत्पादक किसानों से सरकार दूध खरीदेगी और उन्हें बोनस भी देगी। किसानों को सोलर पंप देकर उन्हें बिजली के बिल से भी मुक्ति दिलाई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर नगरीय निकाय में गीता भवन बनाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने फिल्म 'छावा' को टैक्स फ्री करने की घोषणा की

भोपाल। महाराज छत्रपति शिवाजी के जन्मोत्सव के दिन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विक्की कौशल की फ़िल्म 'छावा' को टैक्स फ्री करने की घोषणा की। यह फ़िल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे संभाजी राव की जीवनी और मुगलों से उनके संघर्ष पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि फिल्म के टैक्स फ्री होने के बाद टिकट के रेट में गिरावट आएगी। इस फिल्म में अभिनेता विक्की कौशल ने टाइटल रोल निभाया है। फिल्म की जमकर तारीफ हो रही है और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अच्छा कारोबार किया। फिल्म 'छावा' को लक्ष्मण उतेकर ने डायरेक्ट किया है। विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' रिलीज के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है। यह फिल्म संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। विक्की कौशल के एक्टिंग की भी तारीफ हो रही है। इस फिल्म में उन्होंने संभाजी महाराज का किरदार निभाया है। इसके अलावा फिल्म में अभिनेता अक्षय खन्ना ने औरंगजेब के रोल निभाया है। मध्य प्रदेश में फिल्म छावा को टैक्स फ्री करने के लिए कई हिन्दू संगठनों ने मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने लोकपाल को हाई कोर्ट के जजों की जांच से किया बेदखल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लोकपाल के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें उसने खुद को हाई कोर्ट के मौजूदा जजों की जांच करने का अधिकारी बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को बेहद परेशान करने वाला करार दिया है। शीर्ष अदालत ने गुरुवार को अहम फैसला सुनाते हुए केंद्र सरकार और लोकपाल के रजिस्ट्रार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। लोकपाल ने 27 जनवरी को एक आदेश जारी कर हाई कोर्ट के एक मौजूदा अतिरिक्त न्यायाधीश के खिलाफ दो शिकायतों पर कार्रवाई की बात कही थी। इन शिकायतों में आरोप था कि संबंधित जज ने एक निजी कंपनी के पक्ष में फैसला लेने के लिए राज्य के एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश और हाई कोर्ट के एक अन्य न्यायाधीश को प्रभावित किया। दिलचस्प बात यह है कि जिस कंपनी के पक्ष में फैसले को प्रभावित करने का आरोप है, वह उसी जज की मुवक्किल रह चुकी थी, जब वे वकालत करते थे।

सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस आदेश का स्वतः संज्ञान लिया। कोर्ट ने लोकपाल के इस कदम को न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए चुनौती मानते हुए तुरंत दखल दिया। पीठ में शामिल न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अभय एस ओका ने शिकायतकर्ता को न्यायाधीश का नाम उजागर करने से रोक दिया और यह भी हिदायत दी कि इस मामले से जुड़ी शिकायत को पूरी तरह गोपनीय रखा जाए। गौरतलब है कि लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के तहत भ्रष्टाचार के मामलों में जांच का अधिकार लोकपाल को दिया गया है, लेकिन क्या वह मौजूदा जजों की जांच कर सकता है? यही सवाल अब कानूनी गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट : कलियासोत एडवेंचर जोन में लग्जरी टेंट सिटी

मेजबानी के लिए पूरी तैयारी, लाइव क्राफ्ट डेमोंस्ट्रेशन और भव्य खानपान का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश 24-25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। यह समिट राज्य में निवेश की असीम संभावनाओं को प्रदर्शित करेगा। निवेशकों और प्रतिनिधियों को विश्वस्तरीय आतिथ्य और बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए, मध्य प्रदेश सरकार ने कई शानदार पहल की हैं, जिनमें 4-स्टार टेंट सिटी, लाइव क्राफ्ट डेमोंस्ट्रेशन और विशेष खानपान शामिल हैं।

समिट के प्रतिभागियों को आरामदायक और प्रीमियम ठहराव की सुविधा देने के लिए, मध्य प्रदेश टूरिज्म ने भोपाल के कलियासोत एडवेंचर ज़ोन में एक शानदार 4-स्टार टेंट सिटी का निर्माण शुरू किया है। इस अस्थायी आवास में 108 प्रीमियम टेंट बनाए गए हैं, जिन्हें आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है। प्रत्येक टेंट में डबल बेड, अटैच बाथरूम, एयर कंडीशनिंग, टेलीविज़न, वाई-फाई और टेलीफोन जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए, टेंट सिटी में अग्नि सुरक्षा प्रणाली और चिकित्सा सुविधाएँ भी प्रदान की गई हैं।

सिर्फ आवास ही नहीं, यह टेंट सिटी सांस्कृतिक और मनोरंजन का केंद्र भी होगी, जहाँ पारंपरिक प्रस्तुतियाँ, बच्चों के खेलने के क्षेत्र और उच्च गुणवत्ता वाला खानपान उपलब्ध होगा।

मध्य प्रदेश के पारंपरिक हस्तशिल्प का प्रदर्शन

समिट के प्रमुख आकर्षणों में से एक लाइव उत्पाद निर्माण प्रदर्शन होगा, जिसमें मध्य प्रदेश की समृद्ध शिल्पकला और एक जिला, एक उत्पादपहल के तहत क्षेत्र विशेष उत्पादों को वैश्विक दर्शकों के सामने प्रस्तुत

किया जाएगा। निवेशक स्वयं देख सकेंगे कि मिट्टी के बर्तन, धातु शिल्प, वस्त्र और क्षेत्रीय खाद्य उत्पाद जैसे पारंपरिक हस्तशिल्प कैसे बनाए जाते हैं। प्रतिनिधियों को कुशल कारीगरों से बातचीत करने और उनके निर्माण प्रक्रियाओं को समझने का अवसर मिलेगा, साथ ही वे खुद भी इन गतिविधियों में भाग ले सकेंगे। इस आयोजन के ज़रिए इन उत्पादों की गुणवत्ता और बाज़ार क्षमता को उजागर कर, निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण और हस्तशिल्प क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य है।

वैश्विक निवेशकों के लिए स्वादिष्ट व्यंजन

समिट में वीआईपी प्रतिनिधियों को शाकाहारी व्यंजनों का खास अनुभव मिलेगा, जिसमें पारंपरिक भारतीय और वैश्विक व्यंजनों का मिश्रण होगा। इस विशेष मेनू में जैन, वीगन, मिलेट-आधारित और क्षेत्रीय विशेष व्यंजन शामिल किए गए हैं।

पहले दिन 24 फरवरी को दोपहर के भोजन में मध्य प्रदेश की चाट, भोपाली नवाबी कबाब, मशरूम की गलौटी, दाल के शामी कबाब और अवधी बिरयानी जैसी भारतीय व्यंजन परोसी जाएँगी। इसके अलावा, गोभी मुसल्लम, पनीर हलीमा सुल्तान और मुग़लई अरबी का सालन जैसे मुग़लई व्यंजन भी उपलब्ध होंगे।

रात के भोजन में मिलेट-आधारित इनोवेटिव व्यंजन और इटालियन स्वाद का समावेश किया गया है। इसमें केसर मिलेट खिचड़ी, ट्रफल और मशरूम खिचड़ी, और क्रीमी बार्ली खिचड़ी जैसे पौष्टिक और स्वादिष्ट व्यंजन शामिल होंगे। इसके अलावा, स्विस चार्ड रैवियोली विद सेज बटर सॉस और ट्रफल, ऑरेंज और बटर फारफले जैसी इटालियन डिशेज़ भी मेनू का हिस्सा होंगी।

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल शिवरात्रि पर भोजपुर में करेगा भंडारे के साथ ही कुंभ न पहुंच पाने वालों के लिए व्यवस्था

महाकुंभ से लाए त्रिवेणी के जल से भक्तों को फाउंटेन के माध्यम से आचमन के लिए बनाया जाएगा अस्थाई कुंड

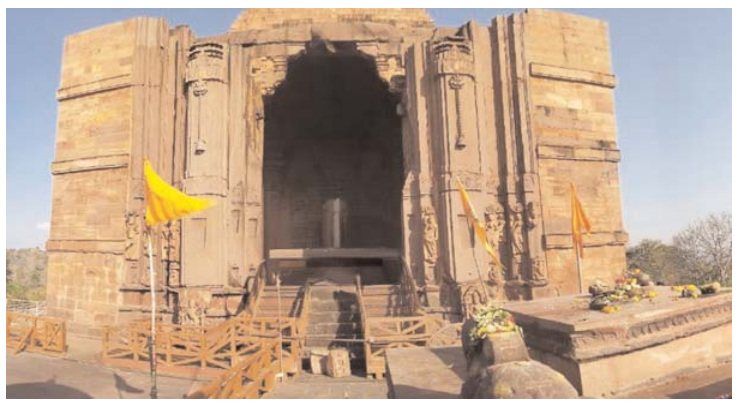

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि 26 फरवरी को शिवरात्रि के महा पर्व पर भोजपुर में मंडल द्वारा लगाए जाने वाले 22वें विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमे एक लाख इक्कावन हजार भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। जिसमे मोरधन की खीर, साबूदाने की खिचड़ी ,साबूदाने के बड़े ,आलू चाट , सिंघाड़े का हलवा,फल चाय शामिल हैं एवं जिन भक्तों का व्रत नहीं होगा उनके लिए स्पेशल कढ़ी चावल की व्यवस्था की जाएगी ।रिंकू भटेजा ने आगे बताया कि जो भक्त कुंभ में स्नान करने नहीं जा सके हैं उनके आचमन के लिए विशाल फाउंटेन के माध्यम से प्रयाग राज त्रिवेणी संगम से लाए गए पवित्र जल से स्थाई कुंड का निर्माण किया जायेगा। प्रचार प्रसार हेतु फ्लेक्स ,स्टिकर ,रसीदों पर किसी भी भगवान की फोटो, धार्मिक मंत्रों का उपयोग नहीं किया जाएगा क्योंकि कार्यक्रम समाप्ति की उपरांत कुछ भक्तों द्वारा फेंक दिया जाता है और वह पैरों में आ जाते जिससे सनातन धर्म का अपमान होता है।

भगवान शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई

भोपाल। 11 मिल स्थित नंदी चौराहा पर महामृत्युंजय मंदिर में शिव परिवार की स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा संपन हुई । प्राण प्रतिष्ठा के पहले दिन भारत माता मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई । यह आयोजन विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश जोशी द्वारा उनके पिता स्वर्गीय सतपाल जोशी और माता स्वर्गीय कमल जोशी की स्मृति में किया गया है इस अवसर पर विशाल भंडारा भी संपन्न हुआ इस अवसर पर महंत पप्पू नाथ, सीमा नाथ यशवंत योगी सहित बड़ी संख्या में साधु संत

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में फेयरवेल मिलाप 2025 का भव्य आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में फ्रेशर्स कम फेयरवेल-मिलाप 2025 का आयोजन एक यादगार अवसर बन गया। इस खास दिन पर यूजी और पीजी के प्रथम एवं अंतिम वर्ष की छात्राओं को एक साथ जोड़ते हुए, समारोह ने परंपरा, शिक्षा और मूल्यों का शानदार संगम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रेरणादायक संदेशों और विद्यार्थियों की सहभागिता ने उत्साह का माहौल बना दिया। कार्यक्रम में कॉलेज निदेशक हीरो ज्ञानचंदानी ने अपने प्रेरक भाषण के माध्यम से छात्रों को भारतीय परंपराओं और संस्कृति को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने स्नातक वर्षों की महत्वपूर्णता, अनुशासन और आत्म-विश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने अपने सहज और विचारशील संबोधन में नवप्रवेशी छात्रों का स्नेहपूर्वक स्वागत किया और उनकी रचनात्मक अभिव्यक्तियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने मिलाप शब्द के गहरे महत्व को समझाते हुए, छात्रों को धैर्य, संतुलन और सामंजस्य स्थापित करने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि तोशिबा कोहली खरे, मिसेज़ इंडिया 2025 कॉर्पोरेट ट्रेनर, प्रो कम्युनिकेशन एक्सपर्ट ने इस अवसर पर छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि लड़कियों को अपने सपने जरूर पूरे करना चाहिए, खुद पर विश्वास रखना चाहिए और हमेशा एक महिला को दूसरे के लिए खड़े रहना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मिस एस.एच.जी.सी. का प्रतिष्ठित खिताब हिबा मरियम, मिस ऑल राउंडर शिक्षा तिवारी, मिस मास्टरमाइंड ऑफ द बैच प्रिंसी पहलवानी, मिस क्रिएटिव कैटेलिस्ट अभिकांक्षा चौधरी, मिस बोल्ड एंड ब्यूटीफुल अनम गौरी, मिस चार्मिंग एनिग्मा मरियम खान, मिस फ्रेश वाइब्स स्टार खुशी तिवारी, मिस ईव फ्रेशर आस्था जोतवानी तथा मिस ईव फेयरवेल हया खान चुनी गईं।

नवजीवन सेवा समिति ने दिव्यांग छात्र-छात्राओं का जन्मदिवस हर्ष और उत्साह से मनाया

भोपाल। नवजीवन सेवा समिति द्वारा स्पर्श भवन स्थित शासकीय मूक- बधिर एवं दृष्टिबाधित आवासीय विद्यालय के 36 छात्र-छात्राओं का मासिक जन्मदिवस समारोह पूर्वक केक काटकर छात्रावास अधीक्षिका लता मालाकार की उपस्थिति में मनाया इस मौके पर नवजीवन सेवा समिति अध्यक्ष सत्येन्द्र अग्रवाल ने देश विदेश में दिव्यांगजनों की प्रेरक उपलब्धियां साइन लैंग्वेज शिक्षिकाओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं और उपस्थित जनों को बताई। समिति प्रवक्ता भगवान दास ढालिया ने बताया इस अवसर पर दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं और कार्यक्रम पर हर्ष व्यक्त किया समिति की ओर से बच्चों को उपहार भी दिए गए इस अवसर पर तरंग अग्रवाल, प्रदीप श्रीवास्तव, विनीता दिवाकर मातृशक्ति, शिक्षक गण के साथ छात्र-छात्राओं के अभिभावक गण आदि भी उपस्थित थे।

सामाजिक न्याय भारत की ऐतिहासिक संस्कृतिः सुशील कुमार जैन

भोपाल। पर्यावरण संस्कृति ट्रस्ट अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने संध्या जैन स्टडी सर्कल पर बच्चों को बताया कि हर वर्ष 20 फरवरी को पूरे विश्व में विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को सन 2007 में मनाने की घोषणा की गई थी। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों द्वारा एक-दूसरे के साथ नस्ल, वर्ग, लिंग, धर्म, जाति संस्कृति आदि के आधार पर किए जा रहे भेदभाव को समाप्त करना ताकि संविधान में मौजूद सामाजिक न्याय प्रावधान का लाभ सभी को मिल सके । आज समाज देश में व्याप्त असमानताओं को हटाने के लिए सामाजिक समरसता जरूरी है। देश के प्रत्येक नागरिक के लिए शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य एवं जीवन की अन्य मूलभूत सुविधा की प्राप्ति हो इस बावत पूरे देश व विश्व में सामाजिक न्याय दिवस मनाया जाता है।

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय में एक शाम दिवंगत ट्रस्टियों के नाम का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। महाविद्यालय की साधु वासवानी एज्युकेष्नल सोसायटी द्वारा एक शाम दिवंगत ट्रस्टियों के नाम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य मानव अधिकार आयोग म.प्र. अध्यक्ष मनोहर ममतानी, पार्षद राजेष हिंगोरानी, दयालदास डेटानी, महासचिव राजेन्द्र मनवानी, सचिव अषोक आडवानी, कोषाध्यक्ष दिनेष वाधवानी, क्रीडा सचिव इंदर कुमार आडवानी, ऑडिटर हेमंत आसवानी एवं प्राचार्य डॉ. ए.के.सिंह ने संस्थापक ट्रस्टियों की फोटो पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। साधु वासवानी एजुकेशनल सोसायटी के महासचिव राजेन्द्र मनवानी द्वारा महाविद्यालय की स्थापना 1979 से लेकर वर्तमान तक सोसायटी के ट्रस्टियों के अथक योगदान व उनके व्यक्तित्व पर प्रकाष डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार सिंह द्वारा महाविद्यालय में संचालित विभिन्न संचालित गतिविधियों जैसे अकादमिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के लिये सुपर 30 योजना के बारे में बताया तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय की आधारषिला रखने वाले संस्थापक सदस्य जनकराम आडवानी को उनके द्वारा महाविद्यालय सिंधी समाज के विकास एवं देष के लिये किये गए कार्यो के लिये संस्था द्वारा मरणोपरांत महाविद्यालय रत्न'' एवं अभिनंदन पत्र, से सम्मानित किया गया। वहीं राजेन्द्र कमल प्रेमचंदानी को लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड एवं अभिनंदन पत्र, शाल व श्रीफल से सम्मानित किया गया। वही समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी और महेष दयारामानी को भी सम्मानित किया गया।

सिटीजन फीडबैक में अपना सकारात्मक मत दर्ज कराए और भोपाल को स्वच्छता में नंबर 1 बनाए: मालती राय

महापौर ने सिटीजन फीडबैक के संबंध में की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महापौर मालती राय ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में भोपाल को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने हेतु सिटीजन फीडबैक घटक के तहत शहर के नागरिकों का अधिक से अधिक सकारात्मक सहभागिता सुनिश्चित कराने हेतु नागरिकों को प्रेरित करने हेतु निगम अधिकारियों को निर्देशित किया साथ ही सिटीजन फीडबैक हेतु लिंक एवं क्यू.आर.कोड जारी करते हुए शहर के नागरिकों से अपील की है कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के सिटीजन फीडबैक घटक में अपना सकारात्मक मत दर्ज कराए और अपने शहर भोपाल को स्वच्छता में नंबर 01 शहर बनाए। बैठक में अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान, महापौर परिषद के सदस्य आर.के.सिंह बघेल सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

महापौर मालती राय ने बुधवार को आई.एस.बी.टी स्थित महापौर कार्यालय के सभाकक्ष में स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के सिटीजन फीडबैक घटक में अधिक से अधिक नागरिकों का सकारात्मक फीडबैक स्वच्छ भारत मिशन की वेब साईट पर दर्ज कराने हेतु की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की। महापौर श्रीमती राय ने निर्देशित किया कि सभी कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक नागरिकों को सिटीजन फीडबैक में अपना सकारात्मक मत देने हेतु प्रेरित करें और अपने समक्ष ही फीडबैक देने हेतु यथा संभव प्रयास करें। महापौर श्रीमती राय ने इस दौरान सिटीजन फीडबैक हेतु बी.सी.एल.एल एवं पार्किंग सेल के कर्मचारियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की और कर्मचारियों को अपने शहर भोपाल को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने हेतु अपने कार्य क्षेत्र में आने वाले नागरिकों को सिटीजन फीडबैक के बारे में बताने और उनका फीडबैक दर्ज कराने के निर्देश भी दिए। महापौर श्रीमती मालती राय ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के तहत सिटीजन फीडबैक हेतु लिंक व क्यू.आर.कोड जारी करते हुए शहर के नागरिकों से अपील की है कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के सिटीजन फीडबैक घटक में अपना सकारात्मक मत दर्ज कराए और अपने शहर भोपाल को स्वच्छता में नंबर 01 शहर बनाए।

संस्कार विद्यालय में परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए प्रेरक सत्र

बिना परिश्रम नहीं मिलता विद्या धनः सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षाओं हेतु पूर्व तैयारी के लिए प्रेरक सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से मुख्य अतिथि सिद्ध भाऊ, संस्था अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव उपस्थित थे। सिद्ध भाऊ ने कहा कि विद्या वह धन है जिसकों कोई नहीं चुरा सकता और विद्या धन अपने परिश्रम के बिना अर्जित नहीं किया जा सकता, हमारे देश में ऐसे-ऐसे विभूतियां हुई जिनका जन्म निर्धन परिवार में हुआ था पर उन्होंने इसको अपनी कमजोरी नहीं समझकर अपनी पढ़ाई पर पूरा-पूरा ध्यान दिया और अच्छे से पढ़ लिख कर उच्चे पदों पर आसीन हुए। अगर हमें अपने माता-पिता की मेहनत की कद्र है तो हमें अच्छे से पढ़ लिख कर उनके सपनों को साकार करना चाहिए। उन्होंने परीक्षा की तैयारी के बारे में बताते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान हमें अपने खान पान एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए अभी परीक्षा की अवधी में हमें बाहर के खान-पान से दूर रहना चाहिए और घर का पौष्टिक आहार लेना चाहिए एवं सुबह के नास्ते में अंकुरित मूंग का सेवन करना चाहिए। परीक्षा काल में हमें जितना हो सके मोबाईल और टी. वी. से दूर रहना चाहिए, विद्यार्थियों को एकाग्र मन से पढ़ाई करनी चाहिए, पढ़ाई के लिए प्रातः काल का समय उचित होता है क्योंकि हम जो प्रातः को याद किया हुआ हमेशा याद रहता है, हमें पढ़ने के लिए टाईम टेबल बनाना चाहिए।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का चयन दीर्घकालीन हित संगठन को प्राथमिकता

त्वरित टिप्पणी
जी. के. छिब्बर

दिल्ली की मुख्यमंत्री के पद पर रेखा गुप्ता का चयन में बीजेपी के रणनीतिकारों ने तत्कालीन लोकप्रियता के आधार पर मुख्यमंत्री नही बनाकर राजनैतिक दलों को संदेश दिया है की राजनीति में साधारण परिवार का समर्पित कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री बन सकता है परिवार और वंशवाद की राजनीति अब नही चलेगी।

यह भी उल्लेखनीय है कि रेखा गुप्ता भले ही प्रथम बार विधायक बनी है परन्तु 30 वर्ष का छात्र जीवन से संगठन का अनुभव है दिल्ली विश्व विद्यालय की ए. वी .बी. पी संगठन से महासचिव रही पार्षद रही बीजेपी के संगठन में बड़े पदों पर रही और आज मुख्यमंत्री के पद पर पहुंच गई ।

रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनाए जाने से महिला मतदाता तो प्रभावित होंगी ही साथ ही साथ वैश्य समुदाय भी प्रसन्न होगा जो दिल्ली राजधानी क्षेत्र के साथ साथ हरियाणा पर भी प्रभाव डालेगा जो बीजेपी की भविष्य की रणनीति है।

यह भी महत्वपूर्ण है की वर्तमान राज्यों की बीजेपी सरकारों में पहली महिला मुख्यमंत्री है और गैर बीजेपी सरकार में केवल ममता बैनर्जी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है इसलिए दिल्ली में रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना भविष्य के लिए अच्छा संकेत है ।

दिल्ली सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती सुशासन की है चूंकि केंद्र में बीजेपी एनडीए की सरकार है इसलिए दिल्ली के विकास में कोई मुश्किल नहीं होगी यह अपेक्षा की जा सकती है।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 3 का चौथी बार शतकीय रिकार्ड

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (खंडवा) की 660 मेगावॉट क्षमता की यूनिट नंबर 3 ने अपनी कमीशनिंग के बाद चौथी बार 100 दिनों तक लगातार बिजली उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया। इस यूनिट ने 10 नवम्बर 2024 से 18 फरवरी तक 100 दिनों में 1423.52 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन किया। उल्लेखनीय है कि पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों की ताप विद्युत यूनिट ने वर्ष 2024-25 में 13वीं बार 100 अथवा अधिक दिन तक अनवरत संचालित रहने का नया कीर्तिमान बनाया। श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 3 द्वारा अपने चौथे शतकीय रिकार्ड में सबसे अधिक 1423.52 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन किया गया। इससे पूर्व इस यूनिट द्वारा 6 फरवरी 2022, 19 नवम्बर 2023 और 20 मार्च 2024 को लगातार 100 दिन तक बिजली उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया गया था।

धान उत्पादक किसानों को प्रति हेक्टेयर दो हजार रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उमरिया जिले में वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उमरिया अंचल के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएं की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार धान उत्पादक किसानों को 2000 रुपए प्रति हेक्टेयर के मान से उनके बैंक खाते में अंतरित करेगी। इसका लाभ छोटे किसानों को भी मिलेगा। किसानों के हित में प्रदेश सरकार ने पहले कोदो-कुटकी के उत्पादन पर प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया। गेहूं उत्पादक किसानों से भी 2600 रुपए प्रति क्विंटल उपज खरीदी जाएगी। दुग्ध उत्पादक किसानों से सरकार दूध खरीदेगी और उन्हें बोनस भी देगी। किसानों को सोलर पंप देकर उन्हें बिजली के बिल से भी मुक्ति दिलाई जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर नगरीय निकाय में गीता भवन बनाए जाएंगे। उमरिया में सोन नदी पर 45 करोड़ रुपए की लागत से नए पुल का निर्माण होगा। एक अन्य पुल भी 32 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को उमरिया जिले के नौरोजाबाद में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया एवं विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि अटलजी का व्यक्तित्व काफी विराट था। इस वर्ष उनकी जन्मशताब्दी मनाई जा रही है। देश में पहली बार गांव-गरीब के बारे में किसी ने सोचा तो वे श्रद्धेय वाजपेयी जी थे। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से आज गांवों में आवागमन सुगम हुआ है। गांवों को विकास और शहरों से जोड़ने वाले पहले व्यक्ति भारत रत्न अटलजी ही थे, जिनके सामने संसद में पक्ष-विपक्ष के सभी नेता नतमस्तक रहते थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प लिया है कि अब 250 की आबादी वाले गांवों में भी सड़कें बनाई जाएंगी। गरीबों को पक्का मकान देने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में आनंद होना चाहिए। यह प्रदेश सरकार का संकल्प है। गरीबों का भी देश-प्रदेश में अधिकार है। समाज के वंचित वर्ग को पक्के मकान मिलने चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए सरकार ने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की हैं। भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 हो रही है, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी पधार रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में किसी बात की कमी नहीं है। पर्याप्त बिजली और पानी है। यहां कोई भी उद्योग फल-फूल सकता है। सरकार ने ऐसी नीतियों को मंजूरी दी है कि स्थानीय युवा भी उद्योगपति बनें और खुद कमाने के साथ दूसरों को भी रोजगार प्रदान करें। सरकार ने दो से ढाई करोड़ की फैक्ट्री लगाने पर भी अनुदान देने का प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं: उमरिया जिले के ग्राम पौड़ी में 600 मेगावॉट की ताप विद्युत परियोजना की इकाई स्थापित की जाएगी। बांधवगढ़ में टाइगर रिजर्व के बाहर जू का निर्माण किया जाएगा। यह इलाका भविष्य की दृष्टि से पर्यटन केंद्र बनेगा। बिलासपुर में कॉलेज निर्माण और भगवान विष्णु के धाम टकटई को 4 स्थानों से जोड़कर पर्यटन का केंद्र बनाया जाएगा। उमरिया में हॉकी खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए एस्ट्रो टर्फ बनेगी।

कांग्रेस पदाधिकारी ने शिवाजी महाराज को स्टैच्यू कहा, जीतू पटवारी मांगे माफी: सुरजीत सिंह चौहान

भोपाल। भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरजीत सिंह चौहान ने कांग्रेस पदाधिकारी निकेश ईश्वर सिंह द्वारा शिवाजी महाराज को स्टैच्यू कहने पर आपत्ति लेते हुए प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी से माफी की मांग की है।चौहान ने कहा कि हाल ही में सोशल मीडिया पर प्रसारित एक पोस्ट में वीर शिवाजी महाराज के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम की सूचना दी गई थी, जिसमें वीर शिवाजी महाराज को स्टैच्यू कहकर संबोधित किया गया। यह शब्द न केवल अपमानजनक है बल्कि हमारे राष्ट्रीय नायकों के गौरव के प्रति असम्मान भी दर्शाता है। चौहान ने कहा कि वीर शिवाजी महाराज केवल मराठा साम्राज्य के संस्थापक नहीं थे, बल्कि भारतीय स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक भी हैं। उनके नाम के साथ इस प्रकार के अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर कांग्रेस पदाधिकारी ने समस्त देशवासियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इस संबंध में चौहान ने प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी को एक पत्र लिखकर इस विषय पर सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना करने की मांग की है। साथ यह भी कहा है कि भविष्य में हमारे महापुरुषों के सम्मान में किसी भी प्रकार की असंवेदनशीलता से बचें। चौहान ने कहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हमारे इस अनुरोध को गंभीरता से लेंगे और वीर शिवाजी महाराज के सम्मान की रक्षा करेंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने की आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना नागरिकों के लिए एक प्रभावी स्वास्थ्य सुरक्षा चक्र है। इसका लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक आसानी से पहुँचे, इसके लिए यह सुनिश्चित किया जाए कि उन क्षेत्रों में भी उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों को योजना से संबद्ध किया जाए, जहाँ वर्तमान में उन्नत चिकित्सा सुविधाएं सीमित हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक स्वास्थ्य संस्थानों को एम्पेनेलमेंट के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि राज्य के प्रत्येक नागरिक हर क्षेत्र तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय में आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन की वृहद समीक्षा की। उन्होंने योजना के सुचारू संचालन, सतत निगरानी और अधिकतम हितग्राहियों तक इसका लाभ पहुँचाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने योजना अंतर्गत लंबित भुगतानों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक बजटीय प्रावधान हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में अब तक 1 करोड़ 8 लाख परिवारों के 4 करोड़ 27 लाख हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। वर्तमान में 1,067 स्वास्थ्य संस्थान योजना अंतर्गत पंजीकृत हैं। योजनांतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 2,360 करोड़ रुपये के हितलाभ हितग्राहियों को प्रदान किये गये हैं। सीईओ आयुष्मान डॉ. योगेश भरसट सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

वित्त विभाग से जुड़े विषयों पर उप मुख्यमंत्री देवड़ा से उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया विमर्श

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से नवीन मध्यप्रदेश हेल्थ सेक्टर इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2025 के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण विमर्श किया गया। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेजों में पे-प्रोटेक्शन प्रावधानों पर भी गहन चर्चा हुई, जिसमें प्रस्ताव को अंतिम रूप देकर कैबिनेट के अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया। यह प्रावधान मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और चिकित्सा शिक्षकों को आकर्षित करने तथा उन्हें बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और वित्त विभाग से जुड़े विभिन्न नीतिगत विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रस्तुत किए गए जनहितैषी प्रस्तावों पर उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने शीघ्र आवश्यक बजटीय प्रावधान सुनिश्चित करने की बात कही। वित्त विभाग के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव संदीप यादव सहित अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक क्रांति का संकल्प होगा सफल: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं और स्वास्थ्य विभाग ने भी इस आयोजन के दौरान आकस्मिक चिकित्सा सुविधाओं के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से इस ऐतिहासिक समिट का उद्घाटन होगा और समापन कार्यक्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह उपस्थित रहेंगे। समिट में देश-विदेश के प्रमुख उद्योगपति, नीति-निर्माता और निवेशक भाग लेंगे, जिसके लिए स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता पर रखा गया है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश निवेश के लिए एक आदर्श राज्य बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक क्रांति का जो संकल्प लिया गया है, वह निश्चित रूप से सफल होगा।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान किसी भी आकस्मिक चिकित्सा स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक इंतजाम किए हैं। कार्यक्रम स्थल पर आधुनिकतम चिकित्सा इकाई, आईसीयू बेड्स, कार्डिएक डिफिब्रिलेटर, ऑक्सीजन, ईसीजी, मल्टीपेरा मॉनिटर, बीपी × ब्लड ग्लूकोज मॉनिटरिंग सहित सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध रहेंगे। टेंट सिटी और कार्यक्रम स्थल पर पैथोलॉजिकल जांच की सुविधा भी उपलब्ध होगी। वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉक्टरों की विशेष टीम तैनात की जाएगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि समिट के दौरान 23 से 26 फरवरी तक आकस्मिक चिकित्सा सेवाओं के लिए पीएम एयर एंबुलेंस सर्विसेज को स्टैंडबाय मोड पर रखा गया है। भोपाल जिले की सभी 108 एंबुलेंस पूरी तरह सक्रिय रहेंगी और आवश्यकतानुसार अन्य जिलों से भी एंबुलेंस स्टैंडबाय मोड पर रहेंगी। चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की गई है। एयरपोर्ट, होटलों, कार्यक्रम स्थल, पार्किंग क्षेत्रों और प्रमुख चौराहों पर एंबुलेंस की तैनाती की गई है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर 1 से 4 मिनट के भीतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई जा सके।

निजी और शासकीय अस्पताल हाई अलर्ट पर

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि निजी और शासकीय चिकित्सा संस्थानों के साथ मिलकर समिट के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। अपोलो सेज हॉस्पिटल, सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, बंसल अस्पताल, एलएन मेडिकल कॉलेज, चिरायु मेडिकल कॉलेज, नोबेल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नर्मदा ट्रॉमा सेंटर, आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज, पीपल्स मेडिकल कॉलेज, कैरियर हॉस्पिटल और अन्य प्रमुख अस्पतालों को चिकित्सा सहायता के लिए तैयार रखा गया है।

पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता, सुरक्षा और आधारभूत संरचना विकसित करने टूरिज्म बोर्ड करेगा महत्वपूर्ण एमओयू

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र के विस्तार और सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से एमपी टूरिज्म बोर्ड द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इंडिया हाईक्स, इंडिगो एयरलाइन्स, रेडबस, यूएन वुमन जैसी संस्थाओं के साथ पर्यटन गंतव्य स्थलों में महिला सुरक्षा, स्वच्छता के साथ ही पर्यटन सुविधाओं में विस्तार और कौशल विकास जैसे विषयों पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होंगे।

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि, मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य को सुरक्षित, स्वच्छ और आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के विशेष प्रयास किए जा रहे है। इसी के तहत संयुक्त राष्ट्र महिला संस्था के साथ होने वाले एमओयू का उद्देश्य महिलाओं के लिये पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करना है। इंडिया हाइक्स के साथ मिलकर प्रदेश में नई ट्रैकिंग रूट्स विकसित किए जायेगे। एक एमओयू इंडिया प्राइवे लिमिटेड के साथ किया जाएगा, जिसके माध्यम से ओरछा में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट स्थापित की जाएगी। साथ ही इंडिगो एयरलाइंस के साथ मिलकर ग्वालियर के ऐतिहासिक किले पर पर्यटकों की सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा।

पर्यटन स्थल बनेंगे महिलाओं के प्रति संवेदनशील

महिलाओं के लिये सुरक्षित पर्यटन स्थल जैसी पहल के तहत पर्यटन स्थलों को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित और समावेशी बनाया जा रहा है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड और संयुक्त राष्ट्र महिला संस्था के बीच एमओयू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य राज्य में पर्यटन को अधिक समावेशी और महिलाओं के प्रति संवेदनशील बनाना है। इस पहल में यूएन वुमन तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा और टूरिज्म बोर्ड की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के विकास एवं क्रियान्वयन में सहयोग देगा। पर्यटन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, उद्यमिता को बढ़ावा देना और महिलाओं तक आर्थिक संसाधनों को उपलब्ध कराना प्रमुख उद्देश्य रहेगा। पर्यटन स्थलों को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाना, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना और सकारात्मक सामाजिक व्यवहार को प्रोत्साहित करना शामिल होगा।

ओरछा में महिलाओं के लिए बनेंगे 'पिंक टॉयलेट'

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड और रेड्बस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड व जिला प्रशासन के साथ मिलकर ओरछा के कंचन घाट और सिटाडेल परिसर में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट निर्मित किया जाएगा। 'रेड्बस' आधुनिक शौचालय के डिजाइन, निर्माण और स्थापना की ज़िम्मेदारी निभाएगा। ये टॉयलेट्स विशेष रूप से महिलाओं की सुविधा के लिए तैयार किए जाएंगे। रेड्बस तीन वर्षों तक इन टॉयलेट्स के रखरखाव करेगा। इसके साथ ही इंडिगो के साथ मिलकर टूरिज्म बोर्ड ग्वालियर के प्राचीन किले पर पर्यटन सुविधाओं में विस्तार और सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन करेगा। ओरछा में पर्यटकों और स्थानीय महिलाओं को आधुनिक एवं स्वच्छ टॉयलेट सुविधा उपलब्ध होगी।टॉयलेट्स में जल आपूर्ति, बिजली कनेक्शन एवं सीवेज ट्रीटमेंट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। टॉयलेट्स के संचालन और रखरखाव के लिए स्थानीय महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। परियोजना से ओरछा को एक आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में और सशक्त बनाने में मदद मिलेगी।

सिकल सेल एनीमिया के उपचार के लिए उच्च गुणवत्ता की दवाओं का ही किया जाये उपयोग: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता के लिए मानदेय एवं अन्य प्रोत्साहन उपायों पर प्रस्ताव तैयार करने निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सिकल सेल एनीमिया के बेहतर प्रबंधन और उपचार की व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि सिकल सेल एनीमिया के उपचार के लिये प्रमाणित और उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं का ही उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दवा आपूर्ति श्रृंखला को सुचारु बनाए रखने और गुणवत्तायुक्त दवाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय में विभागीय विषयों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-अभीम) के तहत चल रहे अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नवीन जिला चिकित्सालयों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जाए ताकि नागरिकों को जल्द से जल्द उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सुपरस्पेशलिटी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उनके मानदेय एवं अन्य प्रोत्साहन उपायों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने अधिकारियों को इस संबंध में प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए, जिससे विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, एमडी एमपीपीएचएससीएल मयंक अग्रवाल, संचालक प्रवीण सिंह अढ़ायच, एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक सांस्कृतिक धरोहर का महापर्व महाकुंभ

विजय खण्डेलवाल

महाकुंभ प्रवास के दौरान अनेकानेक दुर्लभ साधु संतों से भेंट करने का अवसर मिला, माता वैष्णो देवी की असीम कृपा से ऐसे ही एक सन्त अनन्त विभुषित दिव्य सन्त जगत गुरु रामभद्राचार्य से भेंट के साथ संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ। आज 75 वर्ष के हो चुके महान गुरुदेव जन्म से सूरदास हैं। स्कूल में हर कक्षा में उन्हें 99 से कम अंक नहीं मिले। उन्होंने 230 किताबें लिखी हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि राम जन्मभूमि मामले में उन्होंने हाई कोर्ट में 441 साक्ष्य देकर यह साबित किया कि भगवान राम का जन्म यहीं हुआ था। उनके द्वारा दिये गये 441 साक्ष्यों में से 437 को न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। उस दिव्य पुरुष का नाम है जगद्गुरु रामभद्राचार्य। 300 वकीलों से भरी अदालत में विरोधी वकील ने गुरुदेव को चुप कराने और बेचैन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनसे पूछा गया था कि क्या रामचरित मानस में रामजन्म भूमि का कोई जिक्र है।

तब गुरुदेव राम भद्राचार्य ने संत तुलसीदास की चौपाई सुनाई जिसमें राम जन्मभूमि का उल्लेख है। इसके बाद वकील ने पूछा कि वेदों में क्या प्रमाण है कि राम का जन्म यहीं हुआ था? जवाब में राम भद्राचार्य ने कहा कि इसका प्रमाण अथर्ववेद के दूसरे मंत्र दशम कांड के 31वें अनुवाद में मिलता है। यह सुनकर न्यायाधीश की पीठ ने, जो एक मुस्लिम न्यायाधीश था, सर, आप एक दिव्य आत्मा हैं। जब सोनिया गांधी ने अदालत में हलफनामा दायर किया कि राम का जन्म नहीं हुआ था, तो राम भद्राचार्य ने तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह को पत्र लिखकर कहा, आपके गुरु ग्रंथ साहिब में राम का नाम 5600 बार उल्लेखित है। ये सारी बातें राम भद्राचार्य ने मशहूर टीवी चैनल के पत्रकार सुधीर चौधरी को दिए एक इंटरव्यू में बताई हैं। नेत्र विहीन संत महात्मा को इतनी सारी जानकारी कैसे हो गई, यह एक आम आदमी की समझ से परे है। वास्तव में वे कोई दैवीय शक्ति धारण करने वाले अवतार हैं। उन्हें नेत्रहीन कहना भी उचित नहीं है। क्योंकि एक बार प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने उनसे कहा कि मैं आपके दर्शन की व्यवस्था कर सकती हूं। तब इस संत महात्मा ने उत्तर दिया, मैं दुनिया नहीं देखना चाहता। वह इंटरव्यू में आगे कहते हैं कि मैं अंधा नहीं हूं। मैंने अंधे होने की रियायत कभी नहीं ली। मैं भगवान राम को बहुत करीब से देखता हूं। ऐसी पवित्र, अद्भुत प्रतिक्रिया को नमन है। ऐसे संतों की वजह से ही सनातन धर्म, और हमारी संस्कृति का अस्तित्व टिका हुआ है ऐसे दुर्लभ संत हिन्दुस्तान की आत्मा है।

अब दिल्ली को नए सिरे से संवारने की चुनौती बीजेपी की

दिल्ली से वेद विलास उनियाल की रिपोर्ट

आखिरकार शालीमार बाग से विधायक रेखा गुप्ता के नाम पर ही दिल्ली के नेतृत्व के लिए सहमति बन गई। बेशक, वे विधायक के तौर पर पहला चुनाव जीती हो, लेकिन दिल्ली की सियासत में वे मंजी हुई नेता है। आरएसएस की पृष्ठभूमि में रहकर, एबीवीपी के सानिध्य में दौलतराम कॉलेज की सचिव और फिर दिल्ली यूनिवर्सिटी की अध्यक्ष बनना उनके छात्र जीवन के संघर्ष को दर्शाता है। यह उनका हौसला है, कि दो बार विधानसभा का चुनाव और दिल्ली मेयर के चुनाव में पराजय देखने के बाद भी उन्होंने अपना मनोबल नहीं खोया। इसी का ही नतीजा है कि इस बार वे चुनाव भी जीती और अब दिल्ली की कमान उनके हाथ में आई। वे दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं और इस दौर में बीजेपी की जिन जिन राज्यों में सरकार है वह पहली महिला मुख्यमंत्री बनी। बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने उनपर भरोसा जताया। दिल्ली का नेतृत्व हाथ में लेते हुए उनके सामने कई चुनौतियां हैं। निश्चित विकास की एक बड़ी रेखा खींचना उनके लिए कसौटी हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओं की रैली में दिल्ली को आधुनिक शहर बनाने का उद्घोष किया। साथ ही इस बात को जोर देते हुए इसे मोदी की गारंटी से भी जोड़ा। उन्होंने इस बात का संकल्प लिया कि यमुना को दिल्ली की पहचान बनाया जाएगा। बीजेपी ने दिल्ली के चुनावी रण को जीतने के लिए जिन मुद्दों को धार दी, उनमें 'आप' शासन के कथित भ्रष्टाचार के साथ दिल्ली की अव्यवस्था को सामने रखा। बीजेपी दिल्ली के मतदाताओं तक यह संदेश पहुंचाने में सफल रही कि देश की राजधानी का यह स्वरूप और बेहतर होना चाहिए। बेशक दिल्ली के पॉश इलाकों को छोड़ दिया जाए, तो दिल्ली के दूसरे फैले इलाकों और बस्तियों को और बेहतर बनाने की जरूरत हैं। दिल्ली को लेकर सभी सियासी पार्टियां अपने-अपने स्तर पर अपनी उपलब्धियां और कामकाजों को गिनाती हैं। लेकिन, तरह-तरह के दावों के बावजूद दिल्ली पानी और बिजली के संकट से जूझती आई है। बढ़ता प्रदूषण दिल्ली का स्थायी संकट है। ऐसी स्थितियों में बीजेपी ने मतदाताओं को इस भरोसे में लिया है कि केंद्र में मोदी का नेतृत्व और दिल्ली में डबल इंजन की सरकार दिल्ली को बदलने में सक्षम है। इसे समझते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने जीत के बाद अपने संकल्पों को फिर दोहराया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में सियासी दलों के लिए मुद्दे स्पष्ट थे। दिल्ली में आप सरकार को घेरने के लिए बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही बड़े दलों ने दिल्ली से जुड़ी समस्याओं को सामने रखते हुए बदलाव के नाम पर वोट मांगे। दिल्ली में जब स्वयं 'आप' पार्टी के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वे दिल्ली की जनता से किए कुछ वादे पूरे नहीं कर पाए तो विपक्ष के प्रचार अभियान को और गति मिल गई। केजरीवाल ने जिन वादों को पूरा न होने की बात कही उनमें दिल्ली की सड़कों को बेहतर न बना पाने के अलावा यमुना की स्वच्छ न कर पाने की बात अहम थी। विपक्ष खासकर बीजेपी के लिए यह अच्छा खासा प्रचार का मुद्दा बना। केजरीवाल के उस बयान को सोशल मीडिया में प्रचारित किया गया, जिसमें उन्होंने यमुना को स्वच्छ न करने पर राजनीति छोड़ देने की बात कही थी।

केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से इन समस्याओं को दूर करने के लिए और पांच साल की सत्ता दिलाने का आह्वान किया। इसी बात को लपकते हुए बीजेपी ने अपना चुनावी नारा दिया कि 'बहाने नहीं बदलाव चाहिए।' उधर, चुनावी प्रचार के अभियान के शुरुआती दौर में ही यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी पहली सभा में 'आप' के नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि वह तो अपने मंत्रियों के साथ प्रयागराज में गंगा में डुबकी लगा चुके हैं। लेकिन, केजरीवाल यमुना में डुबकी लगाकर देखें। इस एक लाइन में ही कई लाइनें खींची गई थी। योगी आदित्यनाथ ने एक तरह से यूपी में बीजेपी सरकार के कामकाज को दिल्ली सरकार से तुलना करके मतदाताओं को झकझोरने की कोशिश की थी। उनका स्पष्ट संदेश था कि दिल्ली में जिस बदलाव की अपेक्षा की जा रही है, उसे एनडीए सरकार के जरिए ही संभव है। दिल्ली में तमाम दिक्कतों पर कांग्रेस ने भी आप को घेरा। लेकिन, मतदाताओं ने बीजेपी को 27 साल बाद फिर अवसर देने का मन बनाया। कांग्रेस का कमजोर संगठन और अपनी स्पष्ट चुनावी व्यूह रचना न होने से मतदाताओं के पास बीजेपी के तौर पर खुला विकल्प था। जहां कांग्रेस को लेकर आखरी मतदाताओं में असमंजस था, वहीं बीजेपी दिल्ली में जीत हासिल करने के लिए पूरी सियासी रणनीति के साथ थी। दिल्ली चुनाव में मतदाताओं को साधने के लिए बीजेपी ने लंबी तैयारी की थी। चुनाव आते आते हर कदम पर बीजेपी फ्रंट फुट पर दिखी। दिल्ली की समस्याओं और अपेक्षाओं को समझते हुए बीजेपी ने अचूक रणनीति अपनाई। जहां एक तरफ आठवें वेतन आयोग की स्थापना और केंद्रीय बजट में मध्यम वर्ग को विशेष राहत दी गई, वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली की एक भी झुग्गी न टूटने का आश्वासन देकर कमजोर वर्ग को भी साधने की कोशिश की। इन मुद्दों के चुनाव परिणामों पर अपने असर रहे होंगे। लेकिन, दिल्ली के लोगों के सामने सबसे बुनियादी समस्या तो पानी, बिजली, सड़क और लगातार बढते प्रदूषण की रही है। इसलिए जब बीजेपी के शीर्ष नेता दिल्ली को आधुनिक शहर बनाने का संकल्प दोहरा रहे हैं, तो निश्चित की इन समस्याओं के निराकरण के बाद ही देश की राजधानी इस स्वरूप में होगी। यह आसान चुनौती नहीं, लेकिन संकल्प को धरातल पर उतारा जाए तो दिल्ली का नजारा कुछ और हो सकता है। यही वजह है कि बीजेपी अपने शासित राज्यों के मॉडल दिखाकर दिल्ली की जनता को आश्वस्त करना चाहती है कि जैसे बनारस, प्रयागराज या अयोध्या को बदला गया है। यही नहीं दिल्ली के आसपास के क्षेत्र भी तेजी से बदलते हुए दिख रहे हैं, वैसे ही दिल्ली पर भी डबल इंजन की सरकार अपना फोकस करेगी।

वास्तव में जब हम भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था की तरफ ले जाने को तत्पर दिखते हैं, तो देश की राजधानी भी अत्याधुनिक स्वरूप में होनी चाहिए। दिल्ली का आशय केवल वह क्षेत्र नहीं जो चमकता दमकता नजर आता है। दिल्ली के अंदर बस्तियां हैं, गांव हैं, इलाके हैं। इन सबको मिलाकर दिल्ली बनती है। यहां लोग जिन समस्यओं को झेलते हैं वह चमकती राजधानी के लक्षण नहीं है। पानी के लिए लंबी कतारें लगती है। पानी की बाल्टियों के साथ लोग झगड़ते नजर आते हैं। टैंकर लॉबी की मनमानी चलती है। बस्तियों में कूड़ों के अंबार दिखते हैं। बिजली की समस्या है। पराली कहीं भी जले, लेकिन दिल्ली का आकाश धुंआ धुंआ हो जाता है। सड़कों में गड्ढे नजर आते हैं। पहली बरसात में ही दिल्ली में सड़कें तालाब बन जाती हैं। दुनिया में दिल्ली प्रदूषण की सूची में टॉप पर नजर आती है। झुग्गी बस्तियों की अपनी समस्याएं हैं। वाहन सड़कों पर रेंग रेंगकर आगे बढ़ते हैं। सड़को से लेकर सीवर सिस्टम तक दिल्ली का समस्याओं का अंबार है। स्वास्थ्य शिक्षा सेवाओं की हालात भी नजर आते हैं। विपक्ष के चुनावी मेनोफेस्टों को देखे तो इन बातों का ही उल्लेख दिखता है। 'आप' ने अपनी उपलब्धियों को गिनाने की भरपूर कोशिश की। लेकिन, दिल्ली की जनता ने बदलाव ही चाहा। स्पष्ट है कि दिल्ली की अपेक्षाएं पूरी नहीं हुई है। ऐसे में नई सरकार के सामने असल चुनौतियां सामने खड़ी है। इसके लिए दूरबीन की जरूरत नहीं है। चुनावी मेनोफेस्टों से निकल कर बीजेपी सरकार को धरातल पर काम करना होगा। खासकर ऐसी स्थिति में जब कोई और नहीं प्रधानमंत्री मोदी यह कह चुके है, कि दिल्ली को दुनिया की आधुनिक राजधानी बनाना उनका संकल्प हैं। जब वह ऐलान कर चुके हों कि दिल्ली की पहचान यमुना मैय्या से होगी। ऐसे में गौर किया जाना चाहिए ऐसे में गौर किया जाना चाहिए कि दुनिया की बेहतरीन राजधानियों में गिने जाने वाले लंदन में टेम्स, आस्ट्रिया के वियना में डैन्यूब पेरिस में सीन नदी क्रिस्टल की तरह चमकती है। एक बार देहरादून के शहर के एक स्कूल में बच्चों का दल पेरिस गया था। वहां से लौटकर एक बच्चे ने कहा था कि काश दिल्ली की यमुना का जल भी सीन नदी की तरह होता। गौरतलब है कि लंदन में टेम्स नदी भी एक समय प्रदूषित नदियों में थी। लेकिन, नदी को साफ सुथरा करने का प्रयास किया गया। लंदन शहर की सड़के कभी बरसाती पानी से भर जाती थी। बाद में सीवरेज सिस्टम को सुधारा गया। वास्तव में किसी शहर की पहचान उसके करीब बहती नदी से भी होती है। ऐसे में यमुना का महत्व केवल बहती जलधारा से ही नहीं । इसका आध्यात्मिक सांस्कृतिक महत्व भी है। ऐसे में अगर प्रधानमंत्री मोदी कार्यकर्ताओं को संबोधन में यमुना के मंत्रों का उद्घोष करते हैं और अपने भाषण का अंत भी यमुना के जयकारे से करते हैं, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि दिल्ली शहर में यमुना को स्वच्छ करने का अभियान जोर पकड़ेगा। इसी तरह दिल्ली को चमकता शहर बनाने की चुनौती है। निश्चित अगर डबल इंजन सरकार ने इसका संकल्प लिया है तो उनके पास इसके लिए चार्ट भी होगा। दिल्ली की जनता यह सब धरातल पर उतरते हुए देखना चाहती है।

दिल्ली का अपना एक इतिहास है। दिल्ली का अपना सौंदर्य पुरातत्व संस्कृति और विरासत है। दिल्ली को अत्याधुनिक शहर के रूप में सामने लाने की जो चुनौतियां हैं, उसके लिए धरातल पर काम करना होगा। इसी क्रम में मेट्रो के विस्तार, सड़क पुलों के निर्माण की अपेक्षा की जा रही है, निश्चित डबल इंजन की सरकार दिल्ली को जो स्वरूप देगी आगे की सियासत पर उसका सीधा असर पडेगा। वहीं दिल्ली में अपनी जनाधार को पाने की कोशिश में जुटी कांग्रेस पर भी एक सजग विपक्ष की अपेक्षा बनी है। 'आप' पार्टी को भी अब नई रणनीतियों के साथ सामने आना होगा। उसके पास दिल्ली में संगठन है 22 विधायक हैं। सकारात्मक विपक्ष के तौर पर वह सामने दिख सकती है। दिल्ली को केंद्र राज्य की डबल इंजन सरकार की कोशिश अपनी जगह होंगी लेकिन दिल्ली नगर निगम की भूमिका का भी अपना महत्व है। यह स्पष्ट है कि दिल्ली के लोगों के मन में दिल्ली को चमकता शहर देखने की कल्पना है। 27 साल बाद दिल्ली की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ अच्छे बहुमत के साथ बीजेपी को सरकार सौंपी है। कहा जा सकता है कि मोदी की गारंटी पर भी वोट पड़े हैं। देखना होगा कि डबल इंजन की सरकार दिल्ली का स्वरूप किस तरह बदलता है। दिल्ली में रेखा गुप्ता के नए नेतृत्व से कई तरह की अपेक्षाएं हैं। यह भी स्पष्ट है कि कामकाजों का आकलन में लोग मोदी की गारंटी को ही कसौटी पर ही परखेंगे।

शिक्षा में स्मार्टफोन के प्रचलन से एकाग्रता एवं हेल्थ खतरे में

ललित गर्ग

शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर दुनियाभर में हलचल है, बड़े शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं, जिनके निष्कर्षों एवं परिणाम को देखते हुए कड़े कदम भी उठाये जा रहे हैं। शोध एवं अध्ययनों के तथ्यों ने चौंकाया भी है एवं चिन्ता में भी डाला है। पाया गया कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे इसका उपयोग न कर रहे हों। स्मार्टफोन के उपयोग से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढ़ने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने जैसे खतरे उभरें हैं। इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसे लेकर, कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है। 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में अभी इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है।

सर्वेक्षण के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि डिजिटल शिक्षा और स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बच्चों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। यह बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है, लेकिन साथ ही इसके साथ कई चुनौतियाँ भी हैं, डिजिटल शिक्षा को संतुलित और सुरक्षित बनाना आने वाले समय में एक प्रमुख चुनौती है। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के साथ, यह आवश्यक हो गया है कि स्मार्टफोन और इंटरनेट का सही, संयमपूर्ण और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चों का विकास सही दिशा में एवं समग्रता से हो। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नए शैक्षिक प्रयोगों में मोबाइल की अपेक्षाओं को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं पैदा कर रहा है। सर्वविदित है कि विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल करने से पढ़ाई में बाधा आती है, नैसर्गिक शैक्षणिक गुणवत्ता आहत होती है। भारत में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6-16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि जिन छात्रों के पास गैजेट्स हैं, उनमें से 56.6 प्रतिशत ने डिवाइस का इस्तेमाल मूवी डाउनलोड करने और देखने के लिए किया, जबकि 47.3 प्रतिशत ने उनका इस्तेमाल संगीत डाउनलोड करने और सुनने के लिए किया। सर्वेक्षण से पता चला है कि ग्रामीण भारत में 49.3 प्रतिशत छात्रों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है, लेकिन उनमें से केवल 34 प्रतिशत ही पढ़ाई के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

वैश्विक स्तर पर, आज दुनिया भर में 6.378 बिलियन स्मार्टफोन उपयोगकर्ता हैं-जो कि कुल आबादी का लगभग 80.69 प्रतिशत है। इसमें दो मत नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। आललाइन कक्षाओं के बढ़ते प्रचलन में लगने लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही साबित हुआ है। निश्चित तौर पर ये उनके भटकाव, गुमराह, दिग्भ्रमित और मानसिक विचलन का कारण भी बना है। इसी कारण कई देशों में स्कूलों में स्मार्टफोन पर बैन लगा दिया है, क्योंकि इन देशों का मानना है कि यह बच्चों की शिक्षा और उनकी गोपनीयता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

अनेक देशों में हुए सर्वेक्षणों ने स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इनकी रिपोर्ट एवं चौंकाने वाले तथ्य भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाले हैं। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ आधुनिकीकरण एवं विकास की अपेक्षा को दर्शा कर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके अनियंत्रित एवं अवांछित प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में अनियंत्रित इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित, अश्लील, अनुपयोगी सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए बुरा है तथा इसके लगातार उपयोग से चिंता का स्तर बढ़ता है, आत्म-सम्मान कम होता है तथा अकेलेपन की भावना बढ़ती है। इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। दरअसल, स्मार्टफोन में वयस्कों से जुड़े तमाम एप ऐसे भी हैं जो समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रहे हैं। उन्हें यौन कुंठित बना रहे हैं। बड़ी चुनौती यह है कि बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है। बच्चों में याद करने की क्षमता घट रही है।

आचार्य श्री विद्यासागरजीः अलौकिक साधनावाले सिद्ध एवं विलक्षण संत

-देवेन्द्र ब्रह्मचारी -

दिगंबर जैन परंपरा के सबसे वयोवृद्ध तेजस्वी, योगी, महामनीषी आचार्य, परम पूज्य, सिद्धांत चक्रवर्ती, अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी, जैनधर्म को एक नयी पहचान देने वाले राष्ट्रसंत एवं संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के 'प्रथम समाधि दिवस' के अवसर पर 21 फरवरी 2025 को मुंबई में आयोजित होने वाले 'स्मरणांजलि समारोह' एक आयोजन भर न होकर उस युगवेत्ता-युगप्रवर्तक महापुरुष की स्मृतियों को जीवंतता देने का सशक्त माध्यम है। यह आयोजन श्रद्धालुओं की श्रद्धा एवं भक्ति का ऊंच शिखर है।

भारत की इस पवित्र माटी को मेरे गुरु आचार्य विद्यासागरजी ने अपने पवित्र ज्ञान, अनुभव एवं आध्यात्मिक शक्ति से अभिसिंचित किया। उनकी साधना और कथनी-करनी की एकता ने सारे विश्व को ज्ञान रूपी आलोक से आलोकित किया था। स्थितप्रज्ञ आचार्य विद्यासागरजी ने अपने जीवनानुभव की वाणी से त्रस्त मानवता और विघटित समाज को एक नवीन संबल प्रदान किया था, जिससे राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक और संस्कृतिक क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। उनका गहरा विश्वास था कि एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण उसके नागरिकों के कर्तव्य भाव के साथ ही अपने परिवार, अपने समाज और देश के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की नींव पर होता है।

भगवान राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, ईसा, हजरत मुहम्मद, आचार्य कुन्दकुन्द, शंकराचार्य, संत कबीर, दादू, नानक एवं महात्मा गाँधी की श्रृंखला में आचार्य विद्यासागरजी जैसे महामना संत, समाज सुधारक एवं अध्यात्म मनीषी महामानव ने अपनी आत्म-साधना के बल पर स्वतंत्रता और समता के जीवन-मूल्य प्रस्तुत करके सम्पूर्ण मानवता को एक सूत्र में बाँधा था। जीवन में आस्था और विश्वास, चरित्र और निर्मल ज्ञान तथा अहिंसा एवं निर्बैर की भावना को बल दिया। जिनकी ओज और माधुर्यपूर्ण वाणी में ऋजुता, व्यक्तित्व में समता, जीवनशैली में संयम की त्रिवेणी थी। जीवन-मूल्यों को प्रतिष्ठित करने वाले बाल ब्रह्मचारी श्री विद्यासागर जी स्वभाव से सरल और सब जीवों के प्रति मित्रवत व्यवहार के संपोषक थे, इसी के कारण उनके व्यक्तित्व में विश्व-बन्धुत्व की, मानवता की सौंधी-सुगन्ध विद्यमान रही। वे बीसवीं सदी के संत परम्परा के महान साहित्य सृष्टा युगपुरुष थे। उनका साहित्य परिमाण की दृष्टि से ही विशाल नहीं, अपितु गुणवत्ता एवं जीवन मूल्यों को संचारित करने की दृष्टि से भी इसका विशिष्ट स्थान है। गिरते सांस्कृतिक मूल्यों एवं अपसंस्कारों को नियंत्रित करने एवं सांस्कृतिक मूल्यों की पुनर्प्रतिष्ठा उनके साहित्य में पंक्ति-पंक्ति में देखा जा सकता है। वे न केवल वैचारिक क्रांति के पुरोधा पुरुष थे बल्कि समाज एवं धर्मक्रांति के भी जनक थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि जीवन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके निकट जाते ही मन-मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। ऐसे व्यक्तियों का स्नेह, उनका आशीर्वाद, हमारी बहुत बड़ी पूंजी होती है। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज मेरे लिए ऐसे ही थे। उनके समीप अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था। आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर ये अनुभव होता था कैसे भारत में अध्यात्म किसी अमर और अजस्र जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है। आज मुझे, उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुआ संवाद, सब बार-बार याद आ रहा है।

आचार्य विद्यासागरजी का जन्म आश्विन शरदपूर्णिमा संवत 2003 तदनुसार 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक प्रांत के बेलग्राम जिले के सुप्रसिद्ध सदलगा-चिक्कोडी ग्राम में श्रेष्ठी श्री मलप्पा पारसप्पाजी अष्टगे एवं श्रीमती अष्टगे के घर में हुआ। बचपन का नाम विद्याधर रखा गया। बचपन में ही आपको जैन धर्म एवं दर्शन के संस्कार और धार्मिक विचारों से ओतप्रोत वातावरण मिला। आपने कक्षा नौवीं तक कन्नड़ी भाषा में शिक्षा ग्रहण की और उस छोटी उम्र में ही उनका मन धर्म की ओर आकर्षित हो गया और उन्होंने उसी समय आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का संकल्प कर लिया। उन दिनों विद्यासागरजी आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज के प्रवचन सुनते रहते थे। इसी प्रकार धर्म ज्ञान की प्राप्ति करके, धर्म के रास्ते पर अपने चरण बढ़ाते हुए मुनिश्री ने मात्र 22 वर्ष की उम्र में अजमेर (राजस्थान) में 30 जून, 1968 को आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज के शिष्यत्व में मुनि दीक्षा ग्रहण की। उन्होंने कन्नड़ भाषा में शिक्षण ग्रहण करने के बाद भी अँग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत और बांग्ला भाषाओं का ज्ञान अर्जित करके उन्हीं भाषाओं में लेखन कार्य किया। उनके द्वारा रचित रचना-संसार में सर्वाधिक चर्चित और महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में मूक माटी महाकाव्य है जिसने हिन्दी-साहित्य और हिन्दी संत-सहित्य जगत में एक विशिष्ट जगह प्राप्त की है। यूं तो उनकी हर पुस्तक महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ प्रख्यात है।

आचार्य विद्यासागरजी एक वृहद् धार्मिक समुदाय के आध्यात्मिक नेता थे। उनके वटवृक्षीय नेतृत्व के निर्देशन में साहित्य के अलावा अनेक प्रवृत्तियां चलयमान रही हैं। आपकी प्रेरणा और आशीर्वाद से कई गौशालाएं, स्वाध्याय शालाएँ, औषधालय स्थापित किए गए थे। आचार्यश्री ने पशु माँस निर्यात के विरोध में जनजागरण अभियान भी चलाया। साथ ही 'सर्वोदय तीर्थ' के नाम से अमरकंटक में एक विकलांग निःशुल्क सहायता केंद्र चलाया। आपने पशु धन बचाने, गाय को राष्ट्रीय प्राणी घोषित करने, माँस निर्यात बंद करने को लेकर अनेक उल्लेखनीय कार्य किए थे। संस्कृति के संवर्धन में भी आपका उल्लेखनीय योगदान है। आपके वैशिष्ट्य का राज है आपका प्रबल पुरुषार्थ, अटल संकल्प और अखण्ड ध्येय। आपकी करुणा में सबके साथ सहअस्तित्व का भाव जुडा था। विकास की यात्रा में सबके अभ्युदय की अभीप्सा थी। आप माता-पिता की द्वितीय संतान होकर भी अद्वितीय संतान थे। बडे भाई श्री महावीर प्रसाद स्वस्थ परम्परा का निर्वहन करते हुए सात्विक पूर्वक सद्गृहस्थ जीवन-यापन कर रहे हैं। माता-पिता, दो छोटे भाई अनंतनाथ तथा शांतिनाथ एवं बहिनें शांता व सुवर्णा भी आपसे प्रेरणा पाकर घर-गृहस्थी के जंजाल से मुक्त हो कर जीवन-कल्याण हेतु जैन दीक्षा लेकर आत्म-साधनारत हुए। धन्य है वह परिवार जिसमें सात सदस्य सांसारिक प्रपंचों को छोड़कर मुक्ति-मार्ग पर चल रहे हैं। इतिहास में ऐसी अनोखी घटना का उदाहरण विरले ही दिखता है।

विद्याधर का बाल्यकाल घर तथा गाँव वालों के मन को जीतने वाली आश्चर्यकारी घटनाओं से युक्त रहा है। खेलकूद के स्थान पर स्वयं या माता-पिता के साथ मन्दिर जाना, धर्म-प्रवचन सुनना, शुद्ध सात्विक आहार करना, मुनि आज्ञा से संस्कृत के कठिन सूत्र एवं पदों को कंठस्थ करना आदि अनेक घटनाएं मानो भविष्य में आध्यात्म मार्ग पर चलने का संकेत दे रही थी। वास्तविक शिक्षा तो ब्रह्मचारी अवस्था में तथा पुनः मुनि विद्यासागर के रूप में गुरुवर श्री ज्ञानसागर जी के सान्निध्य में पूरी हुई। तभी वे प्राकृत, अपभ्रंश, संस्कृत, कन्नड, मराठी, अंग्रेजी, हिन्दी तथा बांग्ला जैसी अनेक भाषाओं के ज्ञाता और व्याकरण, छन्दशास्त्र, न्याय, दर्शन, साहित्य और अध्यात्म के प्रकाण्ड विद्वान आचार्य बने थे। वे मात्र दिवस काल में ही चलने वाले नग्नपाद पदयात्री थे। राग, द्वेष, मोह आदि से दूर इन्द्रियजित, नदी की तरह प्रवाहमान, पक्षियों की तरह स्वच्छन्द, निर्मल, स्वाधीन, चट्टान की तरह अविचल रहते थे। कविता की तरह रम्य, उत्प्रेरक, उदात्त, ज्ञेय और सुकोमल व्यक्तित्व के धनी आचार्य विद्यासागर भौतिक कोलाहलों से दूर, जगत मोहिनी से असंपृक्त तपस्वी थे। आपकी निजी पहचान बन गयी- वे भीड़ में सदा अकेले होते थे। ग्रंथों में घिरे रहकर भी निर्ग्रंथ दीखते थे और लाखों लोगों के अपनत्व से जुड़कर भी निर्बंधता को जी लेते हैं। आपका संपूर्ण जीवन मानवीय मूल्यों का सुरक्षा प्रहरी था। इसलिए आप सबके लिए प्रणम्य थे। आपके विचार जीवन का दर्शन थे। प्रवचन भीतरी बदलाव की प्रेरणा थे। संवाद जीने की सही सीख थे। आचार्य विद्यासागरजी का अतीत सृजनशील सफर का साक्षी बना तो आपका साधना-काल तेजस्विता और तपस्विता की ऊंची मीनार। आपका भविष्य मानवता के अभ्युदय का उजला भविष्य था तो आप तनाव की भीड़ में शांति का संदेश थे। अशांत मन के लिए समाधि का नाद थे। चंचल चित्त के लिए एकाग्रता की प्रेरणा थे। संघर्ष के क्षणों में संतुलन का उपदेश थे।

आचार्य विद्यासागरजी से प्रेरणा पाने के लिए देश के सर्वोच्च राजनेता, पदाधिकारी, साहित्यकार, पत्रकार, संत पहुंचते रहे थे। जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनकी सन्निधि में पहुंचे, उन्होंने पूज्य आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज को नमोस्तु निवेदित कर श्रीफल भेंट कर आशीष ग्रहण किया। प्रधानमंत्री ने आचार्यश्री से राष्ट्रीय हित के अनेक मुद्दों पर चर्चा कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया एवं गहन चर्चा करके समाधान प्राप्त किया था। संभवतः गौ रक्षा, पर्यावरण, कौशल विकास, राष्ट्रभाषा सशक्तिकरण, स्वरोजगार और स्वदेशी जैसे मुख्य बिंदुओं पर दोनों के बीच ऐतिहासिक चर्चा हुई। उन्होंने तब प्रधानमंत्री को सुझाव दिया कि एक मुल्क के दो नाम नहीं होते इसलिये हमें इंडिया के बजाय केवल भारत के नाम को ही प्रचलित करना चाहिए। संभवतः मोदी ने आचार्य श्री विद्यासागरजी की प्रेरणाओं को साकार भी किया। युगदृष्टा, ब्रह्मांड के देवता, सिद्ध संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज दिनांक 17 फरवरी 2024 ब्रह्मलीन हुए। वे देशवासियों के हृदय और मन-मस्तिष्क में सदैव जीवंत रहेंगे। उनकी वाणी, उपदेश एवं संदेश युगयुगों तक सदैव प्रेरित और आलोकित करते रहेंगे। उनकी अविस्मरणीय स्मृति का सम्मान करते हुए हम उनके मूल्यों को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

(प्रख्यात जैन संत देवेन्द्र ब्रह्मचारी जन आरोग्यम फाउण्डेशन के संस्थापक है।)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

धूमधाम से मनाई छत्रपति शिवाजी जयंती निकाली शोभा यात्रा और रक्त शिविर

शिवाजी ऑडिटोरियम में विशाल जनसभा और कवि सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित

बैतूल। जिला क्षत्रिय लोनारी कुनबी समाज संगठन के एवं मराठा समाज तत्वावधान में छत्रपति शिवाजी महाराज की 395 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। प्रातः जिला चिकित्सालय में अंकुरित आहार वितरण किया गया। मराठा समाज द्वारा रक्त शिवर आयोजित किया गया। पश्चात शिवाजी सांस्कृतिक भवन से भव्य रैली और आकर्षक सुन्दर झांकी निकाली गई। मुख्य मार्गों पर महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। शिवाजी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में विशाल जनसभा की नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि विधायक हेमंत खंडेलवाल रहे। कार्यक्रम में भाजपा अध्यक्ष सुधाकर पवार बसंत माकोड़े डॉ.राजेन्द्र देशमुख, नरेश फाटे, शैलेंद्र कुंभारे,उर्मिला गव्हाडे, पंढरी डांगे, लोनारी कुनबी समाज अध्यक्ष दिनेश मस्की, मुन्ना मानकर, महिला संगठन अध्यक्ष सिद्धलता महाले, डॉ. प्रताप देशमुख, पी.आर.मगरदे,एस वाई.पांसे ,बलवंत धोट,पार्षद गण, मौजूद रहे। श्री खंडेलवाल ने शिवाजी महाराज के आदर्शों को जीवन मे अपनाने की बात कही भाजपा अध्यक्ष सुधाकर पवार ने शिवाजी की जीवनी पर प्रकाश डाला प्रवीण ठाकरे व समिति के अन्य सदस्यो द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया। छत्रपति शिवाजी विद्या मंदिर की बालिकाओं ने स्वागत गीत और सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। वहिं देर शाम तक प्रसिद्ध कवियों द्वारा कवि सम्मेलन भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दिनेश मस्की,प्रवीण ठाकरे, नारायण राव धोटे, नामदेव बारस्कर, रविशंकर पारखे, सुरेश गायकवाड़, नारायण चढ़ोकार, व्ही.आर. बारस्कर और कैलाश ठाकरे का विशेष योगदान रहा।

साहस शौर्य और संघर्ष का प्रतीक थे वीर शिवाजी: परमार

आष्टा। मराठवाडा में अपने शौर्य,साहस और कूटनीति से राष्ट्रवाद की अलख जगा कर नई ऊर्जा का सृजन करने वाले वीर शिवाजी महाराज का जीवन हम सभी के लिये प्रेरणास्पद है । शिवाजी ने जिंदगी भर हार नही मानी। प्रारम्भिक विफलताओं के बाद भी थक कर न बैठने का हौसला ही शिवाजी महाराज को हमारी संस्कृति का गौरवशाली चरित्र बनाता है । वो जितने उदार थे उतने ही आक्रामक भी , जितनी मुस्तैदी से उन्होंने आमने- सामने की लड़ाईयां लड़ी उतनी ही कुशलता से वह छापामार या गुरिल्ला युद्ध करके भारतीय संस्कृति और अस्मिता को बचाने में जुटे रहे । शिवाजी महाराज कुशल संगठक और प्रशासक थे । राजकाज के संचालन में वो परस्पर संवाद को बहुत जरूरी मानते थे ।उनके बारे में यह प्रसिद्ध है कि अपने गुरु और माता से निर्देश लेते थे साथ ही प्रजा में अंतिम छोर के लोगो से भी घुलमिल कर प्रशासन संचालित करते थे। शिवाजी की जयंती पर हम सभी को शौर्य , उदारता , सूझबूझ और क्षमा के साथ ही उत्तम चरित्र धारण करने की शिक्षा लेनी चाहिए। यह बात पूर्व नपाध्यक्ष तथा प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी के सदस्य कैलाश परमार ने वीर शिवाजी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं के लिए पोशाक निर्माण प्रशिक्षण

एनटीपीसी खरगोन ने परियोजना प्रभावित गांव, कटोरा में एक महीने का ड्रेस मेकिंग व पोशाक निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय महिलाओं और लड़कियों को उनकी आजीविका बढ़ाने के लिए मूल्यवान कौशल के साथ सशक्त बनाना है। समापन समारोह 17.02.25 को आयोजित किया गया और यह महत्वपूर्ण अवसर पर सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले 16 उत्साही प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण CEDMAP की उल्लेखनीय सहायता से आयोजित किया गया था, जो उद्यमिता विकास, बड़े पैमाने पर समावेशन और आजीविका पर काम करने वाला एक 34 वर्षीय पूर्ण स्वायत्त सरकारी संगठन है। अहिल्या महिला मंडल की अध्यक्ष, श्रीमती देबिका बोस ने एवं अन्य वरिष्ठ सदस्यों के साथ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए, प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की और महिलाओं को सशक्त बनाने में कौशल विकास के महत्व पर जोर दिया। इस पहल ने इन महिलाओं को न केवल एक नया शिल्प सीखने का अवसर प्रदान किया है,

अज्ञात वाहन की टक्कर से सहायक उद्यान अधिकारी की मौत

मंडला। विगत दिनों मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात्रि एक अज्ञात वाहन ने बर्राटोला से घुघरी की तरफ आ रहे एक व्यक्ति को पीछे से टक्कर मार दी।हादसे में घायल व्यक्ति को गंभीर चोट आई।स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल 100 को सूचना दी।सूचना मिलते ही डायल 100 कर्मी मौके पर पहुंचे और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघरी लाया गया।जहां चिकित्सक ने जांच परीक्षण के बाद घायल व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया।घुघरी पुलिस द्वारा मामला को दर्ज कर जांच की जा रही है।

जानकारी अनुसार शासकीय उद्यान विभाग घुघरी में पदस्थ सहायक उद्यान अधिकारी आरडी मरावी को अज्ञात वाहन ने बर्राटोला क्षेत्र में जोरदार टक्कर मारी है।स्थानीय लोगों ने हादसे की जानकारी घुघरी पुलिस को दी है।जहां हादसे में घायल आरडी मरावी को सीएचसी घुघरी लाया गया,लेकिन सहायक उद्यान अधिकारी की मौत हो गई थी।

बताया गया कि सहायक उद्यान अधिकारी श्री मरावी को गंभीर चोट लगने के कारण मृत्यु हो गई।शव का पीएम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। थाना प्रभारी पूजा बघेल के निर्देशन में उपनिरीक्षक रामकिशोर माथरे एवं टीम घटना स्थल में जाकर हादसे की जांच करते हुए अज्ञात वाहन की पतासाजी करने में जुट गई है।

नोहलेश्वर महोत्सव को दिव्य और भव्य बनाया जायेगा

दमोह । जिले के नोहलेश्वर महोत्सव को लेकर सांस्कृतिक चेतना यात्रा दमोह शहर के जटाशंकर धाम से पूजन-अर्चन उपरांत प्रारंभ हुई। यह सांस्कृतिक चेतना यात्रा बेलाताल, कोतवाली चौराहा कीर्ति स्तंभ, घंटाघर तथा शहर के विभिन्न चौराहों से होकर नोहटा के लिए रवाना हुई। इस चेतना यात्रा में प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे, सतेन्द्र सिंह लोधी, जनप्रतिनिधि गण, पुलिस और प्रशासन के अधिकारी गण के अलावा जनप्रतिनिधिगण, नागरिकगण,सम्मानीय मीडियाजन मौजूद थे। राज्यमंत्री लोधी मशाल लेकर रैली की अगुवाई कर रहे थे, इस दौरान पूर्व वित्तमंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया, विधायक हटा उमादेवी खटीक, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, लोकेन्द्र सिंह (लकी भैया), पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवचरण पटैल, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया। नगर में जगह-जगह चेतना यात्रा का दमोह के विभिन्न वर्गों ने भी फूल मालाओं और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। जगह-जगह स्वागत गेट भी बनाए गए । रैली में पारंपरिक वेशभूषा में कलाकार अग्रिम पंक्ति में चल रहे थे। रैली लोगो के लिये आकर्षण का केन्द्र रहीं। रैली में कलाकार पारंपरिक नृत्य करते हुये चल रहे थे।

बोडखी पुलिस ने 60 लीटर शराब जप्त कर आरोपी घनश्याम को कोर्ट से जेल भेजा

सांध्य प्रकाश आमला। बोडखी पुलिस चौकी प्रभारी उनि नितिन पटेल को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई । कि एक व्यक्ति बड़ी मात्रा में अवैध शराब का परिवहन कर रहा है। इस सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी सत्यप्रकाश सक्सेना को अवगत कराते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। अतिरिक्त अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी के निर्देशन एवं एसडीओपी मुलताई मयंक तिवारी के मार्गदर्शन में बोडखी पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर आरोपी घनश्याम को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 60 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

श्री राम कथा का श्रवण करने क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा पहुंचे कथा स्थल।

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)। नगर में चल रही श्री राम कथा आठवें दिन राम वनवास ओर भरत मिलाप प्रशंग सुनाते हुए कथावाचक पण्डित सद्भाव महाराज ने कहा कि अगर भाई का प्रेम की शिक्षा अगर कही मिलती हे तो बो श्री राम कथा से ही मिलती हे।

साथ ही व्यास पीठ से बोलते हुए कहा जिस दिन आज के समय भाई भाई से जरा से दौलत के लिए लड़ रहा हे अगर आज भी भाई भाई एक हो जाए तो आज भी रामराज्य आ जाएगा। इस दौरान उन्होंने अरण्य कांड की चौपाई के माध्यम से विस्तृत समझाया।

इस कथा को सुनने पहुंचे विधायक पटवा का साल श्री फल और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। सुरेंद्र पटवा ने कहा कि मेरा यह परम सौभाग्य हे जो में कथा सुन रहा ओर मेरा सभी से कहना हे कि जितना समय मिले प्रभु के चरणों में लगाओ। इस दौरान विधायक पटवा के साथ रविन्द्र विजय वर्गी ,सोनू चौकसे,भूपेंद्र नागर, सुरजीत सिंह बिल्ले, कृष्ण गोपाल पाठक, देवेंद्र सिंह (राजू भैया) रामकिशोर नंदवंशी, पंकज कोठारी, अशोक मित्तल, सुदामा तिवारी, जगदीश चंदानी, मिंटू अरोरा, राजेश दीक्षित, नीरज चावला, विक्रम धारी, नगरपालिका अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे, उपाध्यक्ष नमिता अग्रवाल,पार्षद हेमलता मनोज चौरसिया,राकेश तिवारी,संजीव जैन, सत्येंद्र पांडे, श्रमजीवी पत्रकार संघ के सदस्य सहित बड़ी संख्या में माताएं बहने एवं भक्त उपस्थित थे।

दुकान आवंटन में अनियमितता का आरोप

टेंडर प्रक्रिया पर रोक की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन

बैतूल। नगर पालिका बैतुल द्वारा शिवाजी ऑडिटोरियम में स्व सहायता समूहों के लिए की जा रही दुकानों की आवंटन प्रक्रिया पर नगरीय स्व सहायता समूह समिति ने आपत्ति जताई है। सदस्यों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि प्रक्रिया में अनियमितताएं हो रही है।नियमों की अनदेखी की जा रही है। समिति ने मांग है कि जब कुल 13 दुकानें उपलब्ध है। तो केवल 8 दुकानों का ही आवंटन क्यों किया जा रहा है। सभी 13 दुकानों का एक साथ आवंटन किया जाना चाहिए। इसके अलावा 21 तारीख को खुलने वाले टेंडर की प्रक्रिया को रोकने की मांग की गई है। ज्ञापन में यह भी सवाल उठाया गया है। कि सभी 11 दुकानें केवल बैतूल नगर पालिका क्षेत्र के स्व सहायता समूहों के लिए ही आरक्षित क्यों नही की गई है। और ग्रामीण समूहों को मौका क्यों नहीं दिया जा रहा है। समूह की सदस्यो की मांग है। कि शहर मे पार्क ठेके पर रख रखाव के लिए दिए जा रहे है। उनमें महिला स्व सहायता समूह को ही प्राथमिकता दी जाए। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि नगर पालिका को इस मामले में पारदर्शिता बरतनी चाहिए। बल्कि सभी स्व सहायता समूहों को समान अवसर मिलना चाहिए।

ज्ञापन के दौरान समिति की सदस्य नंदनी तिवारी, मीना जेधे, प्रमिला कामतकर, लता शास्त्री, प्रीति अहिरवार, दीपा सोनपुरे, राखी गुर्जर, अलका खंडागरे, शीतल कामतकर, पूनम सोनपुरे, रेखा लहरपुरे, सरिता धुर्वे, अर्चना साहू, रेखा अहिरवार, मीना कावड़कर, प्रीति अहिरवार, अर्चना गोले, ममता गोले, बरखा देशमुख, ममता प्रजापति, ज्योति गोले, कंचन ललित साहू, माधुरी, चंद्रकला बाली, प्रमिला, उषा, सरोज, कंचन, शांतिबाई, ज्योति, गायत्री, सोनाली, संध्या, सुनीता, ललित, महिमा, दुर्गा, अनीता, संगीता, माया, सुकून, आरती, गंगा, अंजनी, रुखसाना, श्यामवती, अनीता, पुष्पा, दीपिका, कांति, शांति, सुनीता, भारती, लता, सरिता, सुषमा, शारदा, सरिता, रेखा, संगीता, लता, दीपिका, लक्ष्मी, कामिनी, संगीता, कविता, सुनीता, योगिता, ज्योति, प्रेमलता, ज्योति, मनीषा, सरिता, उमा, रीना, सरोज, सुनीता, ललित और शोभा शामिल थीं।

महाशिवरात्रि पर्व: श्रृद्धालुओं की भीड़ निकलने की संभावना से पुलिस अधिकारियों ने लिया रेलवे स्टेशन का जायजा

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के साथ दमोह रेल्वेस्टेशन प्लेट फार्म नं.-01 एवं प्लेट फार्म नं.-02 पर यात्रियों, तीर्थ यात्रियों, श्रृद्धालुओं की बुनियादी सुविधाओं से संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन के साथ ही जीआरपी एवं आरपीएफ पुलिस कार्यालयों का भी जायजा लिया। इस मौके पर एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा, एसडीएम आरएल बागरी, सीएसपी अभिषेक तिवारी स्टेशन अधीक्षक मुकेश जैन सहित जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद थे।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा प्रयागराज महाकुंभ अपने अंतिम चरण में है, इस चरण में ऐसी संभावना है, कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ यहां से गुजरेगी, इस सिलसिले में रेल्वे के प्लेटफार्म का रेल्वे अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, नगर पालिका और राजस्व के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया है। विशेषकर आने वाले शुक्रवार, शनिवार और रविवार में क्या व्यवस्था करनी है, इसके अलावा महाशिवरात्रि में बांदकपुर में तमाम श्रद्धालु आएंगे। दमोह, पथरिया और बांदकपुर तीनों रेल्वे स्टेशनों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायेगी, उसके संबंध में आज विस्तार से चर्चा की गई है। इसके लिए आवश्यक निर्देश भी जारी किये जायेंगे और व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जायेंगी। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा बाहर एक होल्डिंग एरिया बनाया जा रहा हैं, जिसमें दो टेंट रहेंगे, वहां पर श्रद्धालु प्रतीक्षा करने के लिए बैठ सकते हैं, ताकि प्लेटफार्म पर अनावश्यक रूप से भीड़ एकत्रित न हो, इसके अलावा जब ट्रेन आएगी चाहे वह कटनी की ओर जाने वाली, सतना की ओर जाने वाली हो, प्रयागराज की तरफ जाने वाली हो, जो भी ट्रेन आयेगी, उनके टाइमिंग के अवसर पर पूरा पुलिस फोर्स, राजस्व अधिकारी, नगर पालिका के अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी , महिला एवं बाल विकास के अधिकारी यह सभी उपस्थित रहेंगे। यहां पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था ना हो, यह सारी व्यवस्थाएं एक मार्च तक संचालित की जायेंगी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 13 जोड़ो का विवाह संपन्न वधु को 49 हजार का चेक व उपहार प्रदान किये

रतलाम। शासन निर्देशानुसार निराश्रित, निर्धन परिवार की कन्या, कल्याणी, परित्यक्ता के सामूहिक विवाह हेतु आर्थिक सहायता प्रदान कराने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा 19 फरवरी बुधवार को विधायक सभागृह में सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन कर 13 वधूओं का विवाह पुरे विधि-विधान से करवाया गया। महापौर प्रहलाद पटेल ने इस अवसर पर वर-वधुओं को नये जीवन शुरूआत करने की बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अंतिम पंक्ति का अंतिम व्यक्ति लाभान्वित हो रहा है। उन्होने इस अवसर पर कहा कि रतलाम नगर को स्वच्छ सुन्दर बनाना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है इस हेतु सभी लोग स्वच्छता को अपनी आदत में शामिल करें क्योंकि स्वच्छता में लक्ष्मी का वास होता है।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने कहा कि शासन की योजना को पुरे देश में अपनाया जा चुका है आज जहां देखो वहां सामुहिक विवाह होते है इससे परिवारों पर आर्थिक बोझ भी नहीं पड़ता है।मनोहर पोरवाल ने इस अवसर सामुहिक विवाह के सफल आयोजन हेतु निगम परिषद व निगम अधिकारी कर्मचारी, गायत्री परिवार आदि को बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि आगामी वर्ष में अधिक से अधिक जोड़े सामुहिक विवाह में भाग लें ऐसे प्रयास किये जाये।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बजरंग पुरोहित ने कहा कि महिलाओं के उत्थान हेतु शासन द्वारा कई योजनाऐं संचालित की जा रही है उसमें मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अनूठी योजना है इसमें वर-वधूओं का निःशुल्क विवाह कराये जाने के साथ वधू को 49 हजार की राशि भी दी जा रही है।क्षेत्रिय पार्षद निशा सोमानी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की जानकारी से सभी को अवगत कराया साथ ही वर-वधुओं नये जीवन की शुरूआत करने की बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। वर-वधुओं को पूर्व गृह मंत्री हिम्मत कोठारी, महापौर प्रहलाद पटेल, निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट, लायंस क्लब समर्पण तथा रोटरी क्लब रतलाम मेन द्वारा उपहार भेंट किये गये।

किसली वन परिक्षेत्र में बाघिन का शव बरामद

मंडला। वन्यजीव मादा बाघ उम्र लगभग 10-12 वर्ष की वन भूमि कक्ष क्रमांक 40 (780) बीट चिमटा,वृत घंघार,वन परिक्षेत्र किसली के अंतर्गत मृत पाया गया।विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सक डॉ. संदीप अग्रवाल कान्हा टाइगर रिजर्व मण्डला,डॉ. आर.एम.भुरमुदे एसव्हीएस,रमेश वारेश्वा, पशु चिकित्सक मोहगांव के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार शवदाह/भस्मीकरण की कार्यवाही सुश्री संध्या आईएफ.एस. वन संरक्षक कार्य आयोजना बालाघाट,सुश्री अमीता के.बी. आईएफ.एस. उपसंचालक कान्हा,श्री अजय ठाकुर सहायक संचालक बंजर,श्री दिनेश वरकड़े तहसीलदार बिछिया,श्री परशराम चौहान एन.टी.सीए. प्रतिनिधि,श्री चन्द्रेश खरे वन्यप्राणी अभिरक्षक (मानद),श्यामबती उइके सरपंच ग्राम पंचायत खटिया व अन्य की उपस्थिति में की गई।

बेटी को न्याय की मांग को लेकर कुशवाहा समाज ने निकाला कैंडल मार्च, सौंपा ज्ञापन

बैरसिया। प्रांतीय कुशवाहा समाज प्रदेश अध्यक्ष योगेश मानसिंह कुशवाहा के नेतृत्व में बैरसिया के रैज चौराहे से लेकर वस स्टैंड चौराहे तक सैकड़ों कुशवाहा समाज के लोगों द्वारा कैंडल मार्च निकालकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है। मामले में कुशवाहा समाज के प्रदेश अध्यक्ष योगेश मानसिंह कुशवाहा ने बताया कि बिहार की बेटी स्नेहा सिंह कुशवाहा की संदिग्ध स्थिति में मृत्यु की उच्च स्तरीय जांच एवं न्याय दिलाने के लिए प्रदेश भर में कैंडल मार्च निकाला जा रहा है।इसी के तहत आज बैरसिया में केंडल मार्च निकालकर तहसीलदार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ग्रह मंत्री अमित शाह के नाम ज्ञापन सौंपा है।हमारी शासन प्रशासन से मांग है कि बेटी स्नेहा कुशवाहा को न्याय मिले उन्होंने कहा कि बिहार की बेटी स्नेहा सिंह कुशवाहा निवासी जिला रोहतास, बिहार, जो कि रामेश्वरम गर्ल्स हॉस्टल, जवाहर नगर, प्लॉट संख्या 160, विस्तार कॉलोनी, भेलपुर, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में रहकर पढ़ाई कर रही थी, उसकी संदिग्धपरिस्थितियों में मृत्यु हो गई।

हमनें स्वयं पीड़ित परिवार से बात कर पूरी घटना की जानकारी ली, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह मामला बलात्कार के बाद हत्या का हो सकता है। स्थानीय पुलिस का रवैया इस पूरे प्रकरण में बेहद संवेदनहीन और संदेहास्पद रहा। पुलिस ने पार्थिव शरीर को बिना परिवार की अनुमति के घाट पर पहुंचा दिया और पोस्टमार्टम के बाद भी बेटी का शव परिजनों को नहीं सौंपा। इसके अलावा, मृत छात्रा के परिवार के साथ पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार किया गया, जिसके प्रमाण परिवार के पास वीडियो और फोटोग्राफ मौजूद हैं। पुलिस का यह रवैया घटना की निष्पक्ष जांच पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। उन्होंने कहा कि चूंकि यह मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से संबंधित है, और उनके संसदीय क्षेत्र में कुशवाहा समाज बहुत आयात में है। इससे पूरी समाज में आक्रोश की लहर है क्योंकि पूरा कुशवाहा समाज बीजेपी को सपोर्ट करता है।

महाकुंभ से आने वाले श्रृद्धालुओं की सुविधा ट्रैफिक व्यवस्था के संबंध में बैठक सम्पन्न

छतरपुर। विगत बैठक में म.प्र. मुख्य सचिव अनुराग जैन के निर्देशानुसार आगामी 7 दिवस में महाकुंभ की आने वाले श्रृद्धालुओं के संबंध में भीड़, ट्रैफिक एवं लॉ एंड ऑर्डर के प्रबंधन के संबंध में कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में बुधवार को एनआईसी कक्ष में वीसी के माध्यम से समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में एसपी अगम जैन, एडीएम मिलिंद नागदेवे, एएसपी विक्रम सिंह, डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे एवं वीसी के माध्यम से एनसीआर झांसी एडीआरएम पी.डी.शर्मा, जिले के एसडीएम, तहसीलदार, एसडीओपी, सीएमओ एवं अन्य अधिकारी जुड़ रहे।

प्रारुप जी-8/छ-8
(मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी नियम 1962 के नियम 49-ड (3) के अंतर्गत)
कार्यालय - कृषक उत्पाद सहकारी संस्था मर्या. तोरनोद
पंजी क्रमांक 14433 7 दिनांक 21.05 2024
क्रमांक / नि अधि/2025/क्यू दिनांक 15.02.2025
निर्वाचन कार्यक्रम
मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी के आदेश क्रमांक / सह.नि प्रा / निर्वाचन-3/2025/798 दिनांक 05.02.2025 के द्वारा मुझे कृषक उत्पादक संगठन सहकारी संस्था मर्या. तोरनोद के निर्वाचन हेतु रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है, संचालक मंडल के सदस्यों के निर्वाचन हेतु निम्नलिखित निर्वाचन कार्यक्रम निश्चित किया गया है जो कि सोसाइटी के समस्त सदस्यों के सूचनार्थ प्रकाशित करता हूँ,
कुल योग- 11

1.	नामांकन पत्र प्रस्तुत करने का दिनांक, स्थान, समय	दिनांक 22.02.2025 समय दोप. 12.00 बजे स्थान तोरनोद
2.	नामांकन पत्रों की जांच एवं वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन	दिनांक 23.02.2025 को समय 12.00 बजे जांच पूर्ण होने तक स्थान तोरनोद
3.	नामांकन पत्रों की वापसी का दिनांक तथा चुनाव लडने वाले अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन एवं चिन्हो का आवंटन	दिनांक 24.02.2025 समय 12.00 बजे से 3.00 बजे तक स्थान तोरनोद
4.	विशेष साधारण सम्मिलन में चुनाव (मतदान) दिनांक एवं मतगणना	दिनांक 02.03.2025 समय 11.00 बजे से 3.00 बजे तक स्थान तोरनोद (चुनाव समाप्त होने के पश्चात एक घंटे बाद मतगणना प्रारंभ की जावेगी)
5.	रिक्त स्थानों हेतु सहयोजन	दिनांक 03.03.2025 समय 11.00 बजे से स्थान तोरनोद
6.	अध्यक्ष / उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसाइटियों को जाने वाले प्रतिनिधियों तथा अन्य पदाधिकारियों के निर्वाचन की सूचना जारी करना	दिनांक 05.03.2025 स्थान तोरनोद
7	अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसाइटियों को भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों तथा अन्य पदाधिकारियों के निर्वाचन दिनांक समय एवं स्थान	दिनांक 08.03.2025 समय 11.00 बजे से स्थान तोरनोद

जी.एस. कनेश
रिटर्निंग अधिकारी
कृषक उत्पादक संगठन सहकारी संस्था मर्या. तोरनोद जिला धार

नायसस फाइनेंस की दुबई शाखा संयुक्त अरब अमीरात के बाजार में अपना विस्तार करेगी

मुंबई, एजेंसी। नायसस फाइनेंस सर्विसेज को लिमिटेड जो अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर और स्ट्रक्चर्ड फाइनेंस में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रसिद्ध निवेश प्रबंधन फर्म है, ने यह घोषणा की है की दुबई-स्थित फंड सलाहकार, नायसस फाइनेंस इन्वेस्टमेंट कंसल्टेंसी एफजेडसीओ ने नायसस हाई यील्ड ग्रोथ फंड क्लोज्ड-एंडेड आईसी (फंड) और इससे जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए वित्त जुटाने में सहायता के लिए वैश्विक अग्रणी निवेश बैंक होलिहॅन लोकी को नियुक्त किया है। होलिहॅन लोकी, अमेरिका, यूरोप, मध्य पूर्व और एशिया-प्रशांत में मजबूत उपस्थिति वाला एक प्रमुख वित्तीय संस्थान, विलय और अधिग्रहण, पूंजी बाजार, वित्तीय पुनर्गठन और वित्तीय और मूल्यांकन सलाहकार में माहिर है। एलएसईजी (पूर्व में रिफाइनिटिव) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार लेनदेन की संख्या के आधार पर, फर्म को पिछले दस वर्षों से लगातार यू.एस. में नंबर 1 एम एंड ए सलाहकार और लगातार ग्यारह वर्षों तक नंबर 1 वैश्विक पुनर्गठन सलाहकार के रूप में स्थान दिया गया है। नायसस फाइनेंस हाई यील्ड ग्रोथ फंड एक डीआईएफसी-पंजीकृत श्रेणी 3सी फंड है, जिसे दुबई फाइनेंशियल सर्विसेज अथॉरिटी (डीएफएसए) द्वारा एक योग्य निवेशक संपत्ति फंड के रूप में विनियमित किया जाता है। यह खाड़ी क्षेत्र में उच्च-उपज, स्थिर, किराए पर कमाई वाली संपत्ति प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका लक्ष्य 20 प्रतिशत से अधिक अमेरिकी डॉलर आईआरआर है। फंड ने पहले ही दुबई की दो प्रमुख संपत्तियों, जुमेराह विलेज सर्कल (जेवीसी) और अल फुरजान में पूंजी लगा दी है, जिसका कुल निवेश मूल्य 55 मिलियन अमेरिकी डॉलर है।

ऐक्टिव क्लोदिंग ने क्यू3 एफवाय25 में 223 प्रतिशत पीएटी वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। मोहाली, पंजाब 17 फरवरी, 2025: ऐक्टिव क्लोथिंग कंपनी लिमिटेड भारत की प्रमुख डिज़ाइन-टू-शेल्फ प्लेटफ़ॉर्म, जो वैश्विक फैशन ब्रांड्स के लिए फ्लैट-निटेड स्वेटर्स, जैकेट्स और सर्कुलर-निटेड ऐपरेल में विशेषज्ञता रखता है, ने अपनी अनऑडिटेड क्यू3 और 9एम एफवाय25 परिणामों की घोषणा की है। ऐक्टिव क्लोदिंग कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राजेश मेहरा ने वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, हम क्यू3 और 9एम एफवाय25 के लिए एक मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की रिपोर्ट करने के लिए प्रसन्न हैं, जिसमें हमारे क्यू3 पीएटी में 223 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और हमारे 9एम एफवाय25 की राजस्व ने एफवाय24 के पूर्ण वर्ष की राजस्व को पहले ही पार कर लिया है। यह वृद्धि हमारे नवाचार, दक्षता और प्रमुख वैश्विक फैशन ब्रांड्स के साथ संबंधों को मजबूत करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाती है। एआई-आधारित डिज़ाइन, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, और डेटा-समर्थित मार्केटिंग का लाभ उठाकर, हम अपनी संचालन क्षमता को अनुकूलित कर रहे हैं और घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। हमारे पर्यावरणीय सामग्री और उन्नत उत्पादन तकनीकों के प्रति प्रतिबद्धता, विकसित हो रही उद्योग प्रवृत्तियों के साथ मेल खाती है, जिससे हम प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में आगे बने रहते हैं।

बढ़ती मांग के बीच कैंब्रिज की चेकपॉइंट टेस्ट सीरीज़ का विस्तार हुआ

मुंबई, एजेंसी। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट में इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप द्वारा कैंब्रिज चेकपॉइंट टेस्ट सीरीज़ का विस्तार किया जा रहा है। ये टेस्ट स्कूलों को प्राईमरी और लोअर सेकंडरी स्टूडेंट्स की लर्निंग की जरूरतों को समझने में मदद करते हैं। पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने लर्नर्स की परफॉर्मेंस का आकलन करने के लिए 101 देशों के 1600 से अधिक स्कूलों ने कैंब्रिज चेकपॉइंट टेस्ट्स का उपयोग किया। कैंब्रिज बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए मई और अक्टूबर के अलावा 2026 से मार्च में तीसरी टेस्ट सीरीज़ शुरू कर रहा है। कैंब्रिज हर सीरीज़ के लिए एक सप्ताह का टाईमटेबल भी पेश कर रहा है, और यह मई सीरीज़ की तारीखें स्कूलों की जरूरतों के अनुरूप आगे बढ़ा रहा है। राखी मुखर्जी, प्रिंसिपल, उत्पल शांघवी ग्लोबल स्कूल एवं पीपीएसआईजेसी ने कहा, ''कैंब्रिज चेकपॉइंट टेस्ट मूल्यांकन के अलावा हमारे लर्नर्स की जरूरतों के बारे में निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण डेटा और उनकी परफॉर्मेंस का वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान करते हैं। इस व्यक्तिगत विश्लेषण द्वारा हम ज्यादा केंद्रित सहयोग प्रदान कर सकेंगे, जिससे हर विद्यार्थी को लर्निंग में मदद मिलेगी।रॉड स्मिथ, ग्रु प मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल एजुकेशन, कैंब्रिज ने कहा, ''कैंब्रिज चेकपॉइंट टेस्ट स्कूलों को युवा लर्नर की प्रगति को ट्रैक करने और सहयोग को अनुकूलित करने में मदद करते हैं। हमारे समुदाय की बढ़ती मांग के साथ तीसरी टेस्ट सीरीज़ की शुरुआत से ज्यादा स्कूलों में लचीलापन आएगा और वो विद्यार्थियों का अपने एकेडेमिक शेड्यूल के अनुरूप मूल्यांकन कर सकेंगे। इस प्रकार उन्हें इस बहुमूल्य मूल्यांकन टूल का सर्वाधिक लाभ मिल सकेगा। मैं उन सभी स्कूलों का आभारी हूँ, जिन्होंने हमें अपने बहुमूल्य फीडबैक द्वारा ये परिवर्तन लाने में मदद की।''

आश्रम के द्वार अब खुल रहे हैं! अमेज़न एमएक्स प्लेयर प्रस्तुत करता है एक बदनाम आश्रम का नया महा-संग्राम!

मुंबई, एजेंसी। इंतजार आखिरकार खत्म हुआ! भारत की सबसे चर्चित थ्रिलर ड्रामा सीरीज़ एक बदनाम आश्रम एक्शन से भरपूर सीजन 3 पार्ट 2 के साथ वापस आ रही है, जिसका प्रीमियर 27 फरवरी को विशेष रूप से अमेज़न एमएक्स प्लेयर, अमेज़न की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा पर किया जाएगा। आज स्ट्रीमिंग सेवा ने शो के नए सीजन का एक ऊर्जा से भरपूर ट्रेलर जारी किया, जो दर्शकों को आश्रम की उसी रहस्यमयी और सस्पेंस से भरी दुनिया में वापस ले जाएगा, जहां सत्ता, वफादारी और बदले की भावना अप्रत्याशित रूप से टकराती हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता प्रकाश झा द्वारा निर्देशित और निर्मित इस शो में बॉबी देओल मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही आदिति पोहनकर, दर्शन कुमार, चंदन रॉय सान्याल, विक्रम कोचर, त्रिधा चौधरी, अनुप्रिया गोयनका, राजीव सिद्धार्थ, और ईशा गुप्ता भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। इस शो को विमल द्वारा प्रस्तुत किया गया है, और लक्ज़ नाइट्रो, लाहौरी ज़ीरा का सहयोग प्राप्त है, जबकि केईआई वायर एंड केबल्स विशेष भागीदार के रूप में जुड़े हैं। ट्रेलर में बाबा निराला के साम्राज्य में संबंध खराब होते हुए नज़र आ रहे हैं। उनके करीबी सहयोगियों के साथ बढ़ता तनाव, पम्मी की निडर वापसी और भोपा स्वामी की सत्ता की भूख इस कहानी को और भी रोमांचक बना रही है। न्याय की डोर बेहद कमजोर पड़ चुकी है, और एक बदनाम आश्रम सीजन 3 - पार्ट 2 इस रोमांचकारी कहानी को और गहराई से पेश करेगा, जहां दिमाग के खेल, बदलते गठबंधन और वो काली सच्चाइयाँ सामने आएंगी, जिन पर यह आश्रम टिका हुआ है।

अमेरिका में नया बवाल, स्वर्ण भंडार को लेकर संशय, एलन मस्क ने उठाये सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपति टेक उद्यमी और राष्ट्रपति ट्रम्प के करीबी एलन मस्क ने अमेरिका के फोर्ट नॉक्स में रखे सोने के भंडार की स्थिति को लेकर एक बार फिर सनसनी फैला दी है। बीते सप्ताहांत मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर सवाल उठाया कि क्या 425 अरब डॉलर मूल्य का यह सोना अभी भी सुरक्षित है।

मस्क ने लिखा, कौन पुष्टि कर रहा है कि फोर्ट नॉक्स से सोना चोरी नहीं हुआ? शायद वहां है, शायद नहीं। यह सोना अमेरिकी जनता का है! हमें जानना चाहिए कि यह अभी भी वहां है या नहीं। इस चर्चा ने तब जोर पकड़ा जब मस्क ने एलेक्स जोन्स के एक पोस्ट का जवाब दिया, जिसमें फोर्ट नॉक्स से सोने के गायब होने का दावा किया गया था। मस्क ने सुझाव दिया, फोर्ट नॉक्स का लाइव वीडियो वॉकथ्रू करना शानदार होगा! मस्क के इस बयान ने सोशल मीडिया पर तीखी बहस छेड़ दी। कुछ लोग फोर्ट नॉक्स में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं, तो कुछ इसे साजिश सिद्धांत बता रहे हैं। मस्क ने एक अन्य पोस्ट में चुटकी लेते हुए कहा, जनता के लिए इतना सोना देखना मजेदार होगा। आखिरकार, यह उनका है! उम्मीद है, भंडारण सुविधा में थोड़ी शैली तो होगी। हालांकि मस्क ने औपचारिक ऑडिट की मांग नहीं की, लेकिन उनके बयानों ने पारदर्शिता की मांग को हवा दे दी है। इस बहस में अमेरिकी सीनेटर माइक ली भी कूद पड़े। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें बार-बार फोर्ट नॉक्स में प्रवेश से रोक दिया गया। ली ने सोशल मीडिया पर लिखा, एक अमेरिकी सीनेटर के तौर पर मैंने फोर्ट नॉक्स में जाने की कई बार कोशिश की।

फोर्ट नॉक्स: आप यहां नहीं आ सकते। मैंने पूछा, क्यों? जवाब मिला, यह सैन्य ठिकाना है। मैंने कहा, मैं सीनेटर हूं, सैन्य ठिकानों पर अक्सर जाता हूं। फिर भी जवाब था, आप नहीं आ सकते। बस नहीं। फोर्ट नॉक्स अमेरिका के केंटुकी राज्य में स्थित एक सैन्य अड्डा है, जो लुइसविल के दक्षिण और एलिजाबेथटाउन के उत्तर में है। इसके पास ही यूनाइटेड स्टेट्स बुलियन डिपॉजिटरी है, जहां देश का ज्यादातर सरकारी सोना रखा जाता है। इस वजह से फोर्ट नॉक्स अमेरिकी सोने के भंडार का पर्याय बन गया है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग हर महीने सोने के भंडार पर रिपोर्ट जारी करता है, लेकिन कड़ी सुरक्षा और जनता के लिए प्रवेश न होने से संदेह बरकरार है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ी। एयर फोर्स वन पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, हम फोर्ट नॉक्स में जाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि सोना अभी भी वहां है। आप जानते हैं न? हम फोर्ट नॉक्स जा रहे हैं। उम्मीद है कि वहां सब ठीक हो, लेकिन हम जांच करेंगे कि सोना अभी भी मौजूद है।

लाइफ सेविंग का काम करता है इमरजेंसी विभाग: डॉ. वी. निरंजनी

बैतूल। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की कंसलटंट (एक्सीडेंट एंड इमरजेंसी) डॉ. वी. निरंजनी ने कहा,वर्तमान समय में लोगों में मेडिकल इमरजेंसी के बारे में अवेयरनेस की जरूरत है क्योंकि आमतौर पर देखा जाता है कि लोग किसी भी समस्या के लिए इमरजेंसी विभाग में पहुंच जाते हैं. यहां केवल इमरजेंसी पेशेंट को ही लाना चाहिए जिन्हे तुरंत उपचार की आवश्यकता है. इमरजेंसी विभाग में उच्च प्रशिक्षित स्टाफ और डॉक्टर रहते हैं जिनका फायदा उन्हें मिलना चाहिए जो ज़्यादा पीड़ित है और जिन्हे तुरंत उपचार की आवश्यकता है. सबसे पहले तो यह जागरूकता लानी जरूरी है कि कौनसे पेशेंट को इमरजेंसी विभाग में ले जाना चाहिए और किसे ओपीडी में.यदि पेशेंट को सांस लेने में तकलीफ हो रही है, चेस्ट पेन है, स्ट्रोक की समस्या है, लकवे का शिकार हुआ है, ज्यादा बुखार है, चक्कर आकर गिर गया है, एक्सीडेंट हुआ है तो उसे बगैर देरी किए इमरजेंसी विभाग में ले जाना चाहिए. अन्यथा पेशेंट 3-4 दिनों से समस्या से जूझ रहा है और उसे सर्दी, खांसी जैसी सामान्य समस्या है तो इसके लिए ओपीडी में जाना चाहिए. ऐसे में इमरजेंसी विभाग का लोड कम होगा और जो वाकई इमरजेंसी पेशेंट हैं, उन्हें यह सुविधा तत्काल प्रभाव से मिल सकेगी क्योंकि इमरजेंसी विभाग लाइफ सेविंग का काम करता है.मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की कंसलटंट (एक्सीडेंट एंड इमरजेंसी) डॉ. वी. निरंजनी ने आगे कहा,सबसे जरूरी तो यह है कि हर किसी के घर में फर्स्ट एड किट होना ही चाहिए. इसमें कॉटन, क्रेप बैंडेज, बिटाडीन क्रीम,स्प्रे,गौज रोल आदि चीजें होनी चाहिए. हर किसी को फर्स्ट एड के लिए जरूरी बुनियादी चीजें सीखनी चाहिए ।

रियलमी ने लॉन्च किए रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी

मुंबई, एजेंसी। रियलमी, जो भारतीय युवाओं का सबसे चहेता स्मार्टफोन ब्रांड है, उसने गर्व से रियलमी पी3 सीरीज 5जी पेश किया है। यह खासतौर से भारत के हिसाब से डिजाइन किया गया है रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी के साथ यह सीरीज भारतीय उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक इनोवेशन पेश करने की अवधारणा का प्रदर्शन करती है। बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस, ड्यूरेबिलिटी और स्टाइल पर केंद्रित रहते हुए ये स्मार्टफोन मिड-रेंज सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर देंगे, जिससे अपने यूज़र्स को सेगमेंट-फर्स्ट इनोवेशन पेश करने की रियलमी की प्रतिबद्धता मजबूत होती है।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि हमें रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी पेश करते हुए बहुत खुशी हो रही है, ये दोनों डिवाइस हमारे इनोवेशन और यूज़र-केंद्रित डिज़ाइन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। रियलमी पी3 प्रो 5जी, अपने लुभावने रंग बदलने वाली फाइबर और स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट के साथ एक अद्वितीय और शानदार अनुभव देता है। रियलमी पी3एक्स 5जी, अपनी विशाल बैटरी और उच्चतम स्तर की वाटरप्रूफ क्षमता के साथ कठिन परिस्थितियों को सहने के लिए बनाया गया है। दोनों डिवाइस बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस, शानदार दृश्य और लम्बे समय तक चलने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, इसीलिए यह हमारे उपयोगकर्ताओं के लिए आदर्श विकल्प हैं।

फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि हम रियलमी पी3 सीरीज 5जी को फ्लिपकार्ट पर लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं, यह हमारे ग्राहकों को नए इनोवेशन के साथ-साथ बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस देने का वादा करते हैं। रियलमी के साथ, हम डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी के मामले में हमेशा कुछ नया करना चाहते हैं, रियलमी पी3 सीरीज 5जी अपनी मनमोहक खूबियों और इनोवेटिव डिज़ाइन के साथ अलग ही पहचान बनाता है। यह लॉन्च हमारे उपयोगकर्ताओं को बेहतरीन स्मार्टफोन्स आकर्षक मूल्य पर देने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे हमारे प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से सर्वोत्तम टेक्नोलॉजी तक पहुँच सकें।

जबलपुर में फिल्म सिटी बनने का रास्ता साफ, 1 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार

जबलपुर। जबलपुर को मनोरंजन और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में एक नई पहचान मिलने जा रही है। भोपाल में 24 और 25 फरवरी को आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (तढ्ढस्) में जबलपुर की बियोंड स्टूडियोज और प्रदेश सरकार के बीच 3000 करोड़ रुपए का अनुबंध होगा। इस करार के तहत जबलपुर में एक आधुनिक फिल्म सिटी का निर्माण किया जाएगा, जिससे न केवल शहर को नई पहचान मिलेगी, बल्कि यहां 80 हजार से 1 लाख युवाओं को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

फिल्म निर्माताओं के लिए जबलपुर आकर्षण का केंद्र

मध्य प्रदेश धीरे-धीरे फिल्म निर्माताओं के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन बनता जा रहा है। भोपाल, चंदेरी और जबलपुर जैसे शहरों में हाल के वर्षों में कई हिंदी और क्षेत्रीय फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। खासकर जबलपुर की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक स्थलों के चलते यह शहर फिल्म निर्माताओं को आकर्षित कर रहा है। सिर्फ पिछले दो वर्षों में जबलपुर में 50 से अधिक फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के निर्माता भी जबलपुर की लोकेशंस में दिलचस्पी ले रहे हैं। इस वजह से यहां फिल्म सिटी की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसे अब बियोंड स्टूडियोज के प्रयास से साकार किया जा रहा है।

इनवेस्टमेंट प्रमोशन सेंटर में परिचर्चा

फिल्म सिटी के निर्माण को लेकर जबलपुर कलेक्ट्रेट के इनवेस्टमेंट प्रमोशन सेंटर में जबलपुर आर्कियोलॉजिकल टूरिज्म काउंसिल की ओर से एक परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें फेडरेशन ऑफ मध्य प्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष हिमांशु खरे, JATCC के CEO हेमंत सिंह और जबलपुर हॉस्पिटल के संचालक डॉ. राजेश धीरवानी सहित कई प्रमुख उद्योगपतियों और व्यापारियों ने भाग लिया। इस दौरान हेमंत सिंह ने बताया कि फिल्म सिटी की परिकल्पना पर लंबे समय से काम चल रहा था, जिसे बियोंड स्टूडियोज ने हकीकत में बदलने का प्रयास किया है।

उन्होंने कहा कि जबलपुर कला और संस्कृति के क्षेत्र में हमेशा से अग्रणी रहा है, और फिल्म सिटी बनने से यह शहर मनोरंजन जगत में भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त करेगा। डॉ. राजेश धीरवानी ने कहा कि फिल्म सिटी बनने से जबलपुर की ब्रांडिंग होगी और शहर में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि मनोरंजन के साधनों की कमी के कारण कई युवा शहर छोड़कर बाहर जा रहे हैं, लेकिन अगर यहां फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास होता है, तो उन्हें यहीं पर बेहतर अवसर मिल सकते हैं।

पर्यटन और फिल्म उद्योग को मिलेगा बढ़ावा

नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज ने कहा कि जबलपुर में एशिया का सबसे बड़ा अर्बन फॉरेस्ट विकसित किया गया है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस अर्बन फॉरेस्ट का उपयोग फिल्म निर्माण के लिए भी किया जा सकता है। फेडरेशन ऑफ एमपी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष हिमांशु खरे ने कहा कि जबलपुर अभी तक एक टूरिस्ट इन ट्रांजिट यानी एक ऐसा स्थान बना हुआ था, जहां पर्यटक सिर्फ थोड़े समय के लिए रुकते थे और फिर आगे बढ़ जाते थे। लेकिन फिल्म सिटी बनने से यह शहर एक प्रमुख पर्यटन और फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में उभरेगा।

फिल्म निर्माताओं का बढ़ता भरोसा

फिल्म निर्माताओं का जबलपुर में भरोसा लगातार बढ़ रहा है। पिछले दो वर्षों में यहां 50 से अधिक फिल्मों की शूटिंग हुई है, जो यह दर्शाता है कि फिल्म उद्योग के लिए यह शहर अनुकूल माहौल प्रदान कर सकता है। GIS में बियोंड स्टूडियोज के करार के बाद, जबलपुर जल्द ही देश के प्रमुख फिल्म निर्माण स्थलों में से एक बन सकता है। हिमांशु खरे ने कहा कि जबलपुर में फिल्म सिटी बनने से न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि इससे स्थानीय व्यापार, होटल इंडस्ट्री, ट्रांसपोर्ट और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि शहर में फ्लाइट कनेक्टिविटी को बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि देश-विदेश के फिल्म निर्माता और पर्यटक यहां आसानी से आ सकें। अब जबलपुर के नागरिकों की नजरें 24 और 25 फरवरी को भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर टिकी हैं, जहां इस ऐतिहासिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स अपने 20वें संस्करण के लिए तैयार

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रंगमंच के प्रतिष्ठित पुरस्कार और फेस्टिवल—महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स —13 से 20 मार्च 2025 तक लौट रहे हैं। महिंद्रा ग्रुप द्वारा स्थापित इस पुरस्कार समारोह के 13 श्रेणियों के लिए नामांकित शीर्ष 10 नाटकों की घोषणा की गई है। ये नाटक नई दिल्ली में प्रस्तुत किए जाएंगे और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ इस फेस्टिवल का भव्य समापन होगा। विजेताओं को 20 मार्च 2025 को कमानी ऑडिटोरियम में रंगमंच की प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। बेहतरीन नाटकों के लिए मशहूर, मेटा में अब तक पौराणिक कथाओं, लिंग, पहचान, विद्रोह, दमन, अधिनायकवाद, व्यक्तिगत संघर्षों और रोमांच जैसे विषयों पर नाटक शामिल रहे हैं। अपने 20वें संस्करण में भी नामांकित नाटक सीमाओं को तोड़ते हुए विविध दृष्टिकोणों और कहानियों का सम्मिश्रण प्रस्तुत कर रहे हैं। 2025 संस्करण के लिए इस फेस्टिवल में भारत के 20 राज्यों से 367 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय प्रविष्टियां भी शामिल हैं। इस बार शॉर्टलिस्ट किए गए नाटक मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से हैं। हमेशा की तरह, फेस्टिवल ने समावेशिता और विविधता को अपनाया है, इस बार 32 भारतीय भाषाओं और बोलियों में प्रस्तुतियां आई हैं। अंतिम 10 नामांकनों में हिंदी, मलयालम, बांग्ला, कन्नड़, संस्कृत, बुंदेली और अंग्रेज़ी में नाटक शामिल हैं।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने पशु विकास प्रशिक्षण के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया

मुंबई, एजेंसी। एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट लिमिटेड ने पशु विकास दिवस के दौरान कई स्थानों पर एक साथ 'सबसे बड़े पशु विकास प्रशिक्षण' के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा लिया है। इस गतिविधि में देश भर के 6 आयोजन स्थलों पर 517 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कंपनी द्वारा आयोजित पशु विकास दिवस के सातवें संस्करण के तहत यह उपलब्धि हासिल की गई, जो देश का सबसे बड़ा एक दिवसीय पशु देखभाल शिविर था। इन शिविरों का आयोजन एक साथ 16 राज्यों के 500 स्थलों पर किया गया जिसमें लाभार्थियों की संख्या 1,90,000 रही (150,000 पशु एवं 40,000 पशु मालिक)। भारत में तकरीबन 65-70 फीसदी ग्रामीण आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि एवं कृषि से संबंधित गतिविधियों पर निर्भर करती है। ऐसे में पशु और मवेशी ग्रामीणों के लिए आजीविका और उनके आर्थिक कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने पशु विकास दिवस के 7वें संस्करण का आयोजन किया, जिसका विषय था 'मेरा पशु मेरा परिवार'। इस आयोजन के माध्यम से कंपनी ने ग्रामीण परिवारों के जीवन में पशुओं के महत्व पर रोशनी डाली।

गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के हैप्पीनेस सर्वे के मुताबिक घरेलू सुरक्षा के उल्लंघन के शिकार 98 प्रतिशत लोगों की खुशी प्रभावित हुई

मुंबई, एजेंसी। सुरक्षा सिर्फ बस प्रतिकूल परिस्थितियों से अपनी रक्षा का नाम नहीं बल्कि यह मन की शांति और स्थायी खुशी का आधार है। गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय (सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिज़नेस) द्वारा किए गए ताज़ातरीन हैप्पीनेस सर्वे से पता चलता है कि जिन लोगों के घर की सुरक्षा का उल्लंघन हुआ और उनमें से 98 प्रतिशत ने बताया कि इससे उनके समग्र सुरक्षा भाव और खुशी पर सीधा असर पड़ा है। इससे भी ज़्यादा चिंताजनक बात यह है कि इनमें से 56 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि ऐसे उल्लंघन का उनके स्वास्थ्य पर बहुत अधिक असर हुआ।

इस सर्वेक्षण में शामिल 35 प्रतिशत उत्तरदाताओं के घर सेंधमारी, डकैती और चोरी जैसी घटनाएं हुईं, इसलिए ये निष्कर्ष सुरक्षा को बेहतर तरीके से अपनाने की तत्काल ज़रूरत को रेखांकित करते हैं। सर्वेक्षण में यह पता लगाने की कोशिश की गई कि लोगों ने सुरक्षा के लिए कैसे तरीके अपनाए। 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्होंने होम लॉकर (तिज़ोरी) का विकल्प चुना, 45 प्रतिशत ने निगरानी कैमरों को अधिक सुरक्षित उपाय बताया, 36 प्रतिशत ने सुरक्षा गार्ड की उपस्थिति पर ज़ोर दिया, 29 प्रतिशत ने अलार्म सिस्टम को प्राथमिकता दी, और 20 प्रतिशत ने वीडियो डोर फोन की भूमिका पर रोशनी डाली।

गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिज़नेस के ईवीपी और बिजनेस हेड, श्री पुष्कर गोखले ने इन निष्कर्षों पर अपनी टिप्पणी में कहा, हमारे सर्वेक्षण के निष्कर्षों में सुरक्षा और खुशी के बीच मजबूत संबंध स्पष्ट है। सुरक्षित वातावरण खुशहाल और अपेक्षाकृत अधिक आत्मविश्वासी समाज को बढ़ावा देता है। सुरक्षा प्रौद्योगिकी को अपनाना सिर्फ चलन भर नहीं है, बल्कि यह बेहतर जीवन से जुड़ी प्रमुख आवश्यकता है। गोदरेज में, हम ऐसे नए-नए उपाय पेश करते रहते हैं जो लोगों को सबसे महत्वपूर्ण चीज़ों की सुरक्षा करने के लिए सशक्त बनाते हैं, ताकि वे खुशहाल, चिंता मुक्त जीवन जी सकें।

श्री हनुमान प्रतीमा का भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 21 से

छिंदवाड़ा। पिपलेश्वर महादेव मंदिर समिति छिंदवाड़ा द्वारा हनुमान जी का भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है कार्यक्रम स्थल शांति कॉलोनी फटाका गोदाम सिवनी रोड में आयोजित किया गया है जिसमें 21 फरवरी को कलश यात्रा एवं मंडल पूजन जलाधीवास सुबह 10ः00 बजे से होगा , 22 फरवरी को भगवान का अन्नाधीवास महा स्नान 23 फरवरी को नगर भ्रमण एवं प्राण प्रतिष्ठा हवन प्रसादी वितरण भंडारा शाम 5ः00 बजे किया जाएगा।

सांसद ने पंचकल्याणक में की जिलेवासियों की सुख समृद्धि की कामना

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने विगत दिनों पंचकल्याणक महोत्सव में पहुंचकर कार्यक्रम में मौजूद श्री 108 पूज्य सुप्रभात सागर जी महाराज, महाराज प्रणसागर जी एवं आचरण सागर जी महाराज जी का आशीर्वाद लेते हुए जिलेवासियों के लिए सुख समृद्धि की कामना की। उल्लेखनीय है कि मोहखेड़ में 15 से 19 फरवरी तक आयोजित इस विशाल पंचकल्याणक महोत्सव में प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रातःकाल मंगलवाद्य, जिनाभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन, तप कल्याणक पूजन एवं शांति होम सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। विगत दिनों सांसद श्री साहू ने कार्यक्रम में पहुंचकर इस विशाल आयोजन को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए आयोजन समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस दौरान सर्वप्रथम समिति की ओर से सांसद श्री साहू का सम्मान किया गया। सांसद श्री साहू ने सभी महाराजों का आर्शीवाद लिया और कार्यक्रम स्थल पर ही बैठकर उनकी अमृत वाणी को सुना। इस दौरान कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड़, वरिष्ट भाजपा नेता संतोष जैन, परमजीव बिज, जगेन्द्र अल्डक, चंद्रकुमार (चंदू जैन), सौरभ ठाकुर, रोहित पोफली, मदन साहू, गगन कोल्हे, एसडीएम सुधीर जैन, भाजपा नेता लखन, जित्तू राय एवं ग्राम के सभी भाजपा नेता और कार्यकर्ता सहित अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु गण उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ का जिला निर्वाचन को

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय निर्देशानुसार छिंदवाड़ा जिले के तहसील, विकासखण्ड एवं नगर के त्रैवार्षिक चुनाव संपन्न हो चुके हैं। ये कार्यकारिणी अब जिले की कार्यकारिणी का निर्वाचन करेगी जिसमें एक अध्यक्ष, एक सचिव, एक कोषाध्यक्ष, छः उपाध्यक्ष, छः सह सचिव एवं 8 कार्यकारिणी के सदस्य तथा 2 सदस्यों का मनोनयन कार्यकारिणी द्वारा किया जायेगा । निर्वाचित कार्यकारिणी आगामी 3 वर्षो तक कार्य करेगी । उक्त चुनाव हेतु मंडला जिले से पूर्व संभाग अध्यक्ष श्री असीम गौतम चुनाव अधिकारी के रूप में तथा जबलपुर जिले से दिनेश मिश्रा, जिला सचिव जबलपुर पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहकर निर्वाचन कार्य संपन्न करायेंगे। सभी मतदाता साथी जिसमें तहसील, विकासखण्ड एवं नगर कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सम्मिलित हैं। उक्ताशय की जानकारी संघ के सह संयोजक संजय नागदवने ने देते हुये बताया कि उक्त निर्वाचन प्रक्रिया दिनांक 23 जनवरी दिन रविवार को सतपुड़ा लॉ कालेज मोहन नगर छिंदवाड़ा में प्रातः 10.30 बजे से प्रारंभ होगी । मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय सह संगठन मंत्री नंद कुमार शुक्ला एवं जिला संयोजक शशि कुमार तिवारी ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि समय पर उपस्थित होकर एक अच्छी कार्यकारिणी का गठन करेंगे ।

राज्य स्तरीय युवा उत्सव में सौम्या, खुशी एवं समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया

छिंदवाड़ा। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर में राज्य स्तरीय युवा उत्सव फरवरी माह 2025 में आयोजित हुआ। जिसमें राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा की ओर से राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, छिंदवाड़ा की छात्राओं ने समूह गायन एवं पाश्चात्य एकल गायन में मधुर स्वर लहरियाँ बिखेरी। जिसमें सौम्या, खुशी एवं समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ. अस्मिता मुंजे ने छात्राओं को शुभकॉमनायें दी और आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया। युवा उत्सव प्रभारी डॉ. उषा भारती एवं समस्त स्टॉफ ने छात्राओं को बधाई प्रेषित की।

रोजगार मेले में 224 अभ्यर्थियों का कंपनी द्वारा किया गया चयन

छिन्दवाड़ा। शासकीय ग्रीन आईटीआई छिंदवाड़ा में युवा संगम मेला कार्यक्रम का आयोजन नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहके के मुख्य आतिथ्य एवं कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अग्रिम कुमार, श्रीमती शोभना संतोष राय, वार्ड पार्षद, आईएमसी सदस्य एवं जिला नोडल प्राचार्य सी.बी.उइके, सुश्री जिला रोजगार अधिकारी माधुरी भलावी व जिले की अन्य शासकीय आईटीआई के प्राचार्यो की गरीमामयी उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में 18 कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित हुये। प्लेसमेंट एवं अप्रेंटिस के लिए कुल 600 अभ्यर्थियों द्वारा पंजीयन कराया गया, जिसमें से 224 अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन कंपनी द्वारा किया गया। अंतव्यवसायी योजना के अंतर्गत 02 हितग्राहियों को स्वीकृत लोन के चैक मुख्य अतिथि नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा महापौर अहके एवं कलेक्टर द्वारा वितरित किये गये तथा जिन प्रतिष्ठानों द्वारा अधिक से अधिक बच्चों को प्लेसमेंट, अप्रेंटिस एवं सीखो कमाओ योजना के अंतर्गत संलग्न किया है, उनके प्रतिनिधियों को मोमेंटो देकर मुख्य अतिथि नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा महापौर श्री अहके एवं कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया गया।

प्राथमिक शिक्षक की एक वेतन वृध्दि असंचयी प्रभाव से रोकी

छिन्दवाड़ा। जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल द्वारा विकासखंड मोहखेड़ की शासकीय प्राथमिक शाला रैयपुरा, संकुल केन्द्र उमरानाला के प्राथमिक शिक्षक गोपीचन्द भलावी द्वारा 24 दिसंबर 2024 को समय से एक घण्टे पूर्व ही शाला बंद किये जाने के कारण प्राथमिक शिक्षक श्री भलावी की एक वेतन वृध्दि असंचयी प्रभाव से रोकी जाकर दण्डित किया गया है।

धूमधाम से मनाई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

छिंदवाड़ा। मराठा साम्राज्य के संस्थापक महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती जिला क्षत्रिय मराठा समाज ने स्थानीय शिवाजी चौक पर धूमधाम से मनाई। एक दिन पूर्व स्मारक स्थल पर आकर्षक साज सज्जा एवं रोशनी की गई। वहीं भगवा ध्वज फहराया गया। सुबह 9 बजे शिवाजी चौक स्थित प्रतिमा के समक्ष सभी मराठा बंधु, महिलाएं एवं बच्चे शामिल हुए। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधि-विधान से पूजन किया। कार्यक्रम में उपस्थित मराठा बंधुओं और मातृशक्तियों ने फूल माला अर्पण कर शिवाजी महाराज को नमन किया। इस दौरान वरिष्ठों ने अपने वक्तव्य में बताया कि शिवाजी राजे भोसले भारत के महान योद्धा एवं रणनीतिकार थे। उन्होंने ही पश्चिम भारत में मराठा साम्राज्य की नींव रखी थी। 19 फरवरी 1630 को पुणे के शिवनेरी दुर्ग में जीजाबाई और शाहजी भोंसले के घर शिवाजी का जन्म हुआ था। वक्ताओं ने शिवाजी महाराज के शौर्य जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु एवं महिला शक्ति उपस्थित रहीं। मराठा समाज के जिला अध्यक्ष प्रवीण काटकर ने बताया कि पूजन पाठ के पश्चात मराठा समाज के युवाओं ने जोश के साथ हाथ में केशरिया ध्वज लेकर जय भवानी जय शिवाजी के नारे लगाए। जिला अध्यक्ष श्री काटकर ने बताया कि बुधवार की ही शाम को 6 बजे से चंदनगांव स्थित पवार मंगल भवन में बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद विवेक साहू उपस्थित रहे। मराठा समाज के महिला नगर अध्यक्ष श्वेता ताठे ने बताया कि पवार मंगल भवन में बच्चों की नृत्य एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता हुई जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं उपस्थित सामाजिक बंधुओं के लिए उपहार कूपन योजना भी रखी गई थी जिसका जिसका लकी ड्रा निकाला गया।

छत्रपति शिवाजी मंडल ने मनायी जयंती

छत्रपति शिवाजी मंडल छिन्दवाड़ा द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार वर्ष भी छत्रपति शिवाजी जयंती का आयोजन बड़े ही धूमधाम से दिनांक 19 फरवरी 2025 दिन बुधवार को स्थानीय छत्रपति शिवाजी चौक ;ई.एल.सी. के पास छिन्दवाड़ा में किया गया । मंडल के अध्यक्ष अक्षय ओक्टे ने बताया कि छत्रपति शिवाजी जयंती के अवसर पर

सम्मान समारोह नरेंद्र मोहरे के नेतृत्व में किया गया जिसमें सभी वर्गो के समाज सेवी, देशप्रेमी व धर्म प्रेमी बंधुओं का फूल माला और गमछा पहनकर सम्मान किया गया और मंडल ने 20 फरवरी को विशाल भंडारा के आयोजन किया गया है। जो कि प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होकर शाम 7 बजे तक रहेगा इसमें सभी जिलेवासियों को आमंत्रित किया जिसमें नरेन्द्र पटेल, प्रशांत साहू एवं मंडल के अध्यक्ष अक्षय ओक्टे, विशाल सूर्यवंशी, मनीष डेहरिया, अभिषेक डोईफोडे, मयंक कपाले, मिलन पटेल, अर्चित दाढ़े, दादा ठाकुर, यश गुप्ता, कपिल जैन, सूरज दुबे, बिज्जू राणा, शिवम् कपाले, शिव राउत, अक्षय राउत ने सभी शहरवासियों को इस कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने शिवाजी जयंती मनाई

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला छिंदवाड़ा के द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के

अवसर पर शिवाजी चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हर्ष उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष जगेन्द्र अल्डक और नगर मंडल तीन अध्यक्ष नवीन बारस्कर ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने की बात कही । शिवाजी महाराज का जीवन देश में हिंदवी साम्राज्य की स्थापना हेतु समर्पित था। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष जगेन्द्र अल्डक, नगर मंडल तीन अध्यक्ष नवीन बारस्कर, भाजपा नेता पंकज पाटनी, चंदू देवरे, मोरेश्वर हिवसे, वामन साबले, रवि मालवी, मनीष निर्मलकर, हरनाम सिंग भट्टी, वंदना विश्वकर्मा, श्रध्दा जैन, बबलू पराते, मयूर पटेल, विकास जामकर, गोपाल पटेल, मोहित बुनकर, यश गुप्ता, विश्वेंद्र बैंस, विकास जामकर, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महात्मा फुले शिक्षण समिति ने मनाई शिवाजी जंयती

ईएलसी चौक पर महात्मा फुले समाजिक शिक्षण समिति के द्वारा शिवाजी की मुर्ति पर माल्यार्पण किया गया समिति के संयोजक राजेश दोडके जी ने कहा कि पिछडा वर्ग के महापुरुष महात्मा फुले ने सर्वप्रथम राजगढ जाकर अपने साथियो के साथ जाकर शिवाजी की समाधी खोजी थी व 19 फरवरी 1869मे प्रथम भव्य शिव जंयती महात्मा फुले द्वारा पुणे मै मनाई गघ्ई थी इस अवसर पर समिति से नामदेव सरोदे मरोतीराव चरपे अशोक अम्बाडकर राजेश भगत सहादेव बन्नाईत अरुण घोरसे जित्तू सेमेकार अल्केश चरपे उपस्थित थे।

मेंटल हेल्थ विषय में डाक्टर ने दिए स्वस्थ रहने के टिप्स

छिंदवाडा। मेंटल हेल्थ कार्यक्रम के अंतर्गत दिन बुधवार 19.02.2025 को चौरई स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में संकल्प वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से प्राचार्य संदीप साहू की उपस्थिति में मेंटल हेल्थ कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ तुषार तलहल मानसिक रोग विशेषज्ञ ने छात्रों को तनाव और परीक्षा के दबाव का मैनेजमेंट और शिक्षकों को लक्षणों के आधार किन छात्रों को चिकित्सक के पास भेजना हे,जिससे समय पर समाधान किया जा सके,डॉ विकास द्विवेदी ने कम समय को देखते हुए परीक्षा की तैयारी सब्जेक्ट के अनुसार कैसे की जाए जिससे अच्छे रिजल्ट प्राप्त हो।सुश्री आराधना शुक्ला जी संकल्प वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा बताया गया कि माता पिता के द्वारा किस तरीके से परीक्षा के तनाव में उनके कर्तव्य और ध्यान देने योग्य बातों पर चर्चा की गई।मानसिक रोग विशेषज्ञ डाक्टर तुषार ने इस अवसर पर सभी को परीक्षा के समय मेंटल हेल्थ टिप्स देते हुए कहा की तनाव से बचना चाहिए ।परीक्षा का तनाव आपको स्वास्थ को बिगाड़ सकता है इससे बचे हल्का भोजन पर्याप्त नींद एवम समय समय पर अपने दैनिक कार्य करते हुए पढ़ाई करे आप स्वास्थ रहेंगे एवम परीक्षा भी अच्छे दे बिना तनाव के दे सकेंगे।इस अवसर पर डाक्टर विकास द्विवेदी ने भी बच्चो को स्वस्थ रहने एवम कैसे मानसिक संतुलन बनाए रखते हुए अच्छे से पढ़ाई करे बताया।उन्होंने कहा की परीक्षा के समय ही नहीं अपितु थोड़ा थोड़ा पाठ्यक्रम रोजाना ही पढ़ने का सबक दिया।वरिष्ठ समाजसेवी सुश्री आराधना शुक्ला ने अपने घर अपने माता पिता और गुरु के ही मागदर्शन से जीवन में आगे बढ़े एक स्वस्थ मानसिकता तभी आ सकती है जब आप अपना जीवन सुबह से शाम तक ईमानदारी से अपना कार्य करें ।

शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले को किया गया सम्मानित

छिंदवाड़ा। छत्रपति शिवाजी मंडल छिंदवाडा द्वारा शिवाजी महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में स्थानीय छत्रपति शिवाजी चौक छिंदवाड़ा में सामाजिक क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले समाजसेवी, भूतपूर्व सैनिकों,अयोध्या मंदिर निर्माण हेतु कारसेवकों, साहित्यकारों एवं शिक्षा जगत में बच्चो का भविष्य निर्माता शिक्षकों का सम्मान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए संजय सिन्हा प्रभारी प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंगोड़ी को बेहतर स्कूल प्रबंधन, संकुल स्तर पर शिक्षकों के सहयोग के लिए शिक्षक अरविंद भट्ट विकासखंड अकादमिक समन्वयक जनपद शिक्षा केंद्र मोहखेड़ को साहित्यिक गतिविधियों एवं विकासखंड में कक्षा एक से आठ के विद्यालय में शैक्षणिक नवाचारों, विद्यालयों को उपहार योजना का लाभ दिलाने शिक्षकों को विशेष प्रोत्साहन के लिए संतोष डोंगरे जनशिक्षक जनशिक्षा केंद्र लिंगा को जनशिक्षा केंद्र स्तर पर विशेष कार्य हेतु तथा रेशम डिगरसे भूतपूर्व सैनिक एवं माध्यमिक शिक्षक शासकीय माध्यमिक शाला तिकाड़ी को बच्चों के शैक्षणिक स्तर बढ़ाने एवं स्कूल परिसर को अतिक्रमण मुक्त कर बेहतर साज सज्जा,रंग रोगन एवं मध्यान्ह भोजन की विशेष व्यवस्था बनाने के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज एवं अयोध्या राम मंदिर मोमेंटो,शाल,श्रीफल प्रमाण पत्र एवं ?2100/- की नगद राशि नरेंद्र पटेल, अक्षत ओक्टे,पंडित राकेश शर्मा,नरेंद्र माहोरे व समिति सदस्यों के हस्ते प्रदाय कर सम्मानित किया गया।

24 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित किया गया अलंकरण समारोह

छिन्दवाड़ा छिंदवाड़ा संभाग के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि 24 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी यूनिट ने समस्त मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य में मौजूद 62 एनसीसी यूनिट की अंतर इकाई वार्षिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अर्जित किया। छिंदवाड़ा के लिए यह गौरव का पल ऐतिहासिक है। इस उपलक्ष्य में 24 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी ने अपनी इकाई में गत दिवस एक अलंकरण समारोह आयोजित किया जिसमें छिंदवाड़ा सांसद श्री विवेक बंटी साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा महापौर श्री विक्रम अहके भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि सांसद श्री साहू का सत्कार पारंपरिक एनसीसी गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया। इसके बाद सांसद श्री साहू ने उत्तम प्रशासनिक कार्य एवं योगदान के लिए 24 मध्यप्रदेश बटालियन के एनसीसी ऑफिसर, प्रशिक्षक, ऑफिस कर्मचारी एवं एनसीसी कैडेट को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया । उपस्थित एनसीसी के अधिकारियों कर्मचारी और कैडेट्स को संबोधित करते हुए सांसद श्री साहू ने उनके निरंतर कर्मठ कार्य शैली और मेहनत की सराहना की एवं समस्त मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में आयोजित अंतर इकाई वार्षिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। 24 मध्यप्रदेश बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल थॉमस ओमेन के कुशल निर्देशन के लिए सांसद श्री साहू ने उनकी पीठ थपथपाई । 24 मध्यप्रदेश बटालियन की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए सांसद श्री साहू ने खासतौर पर पौधारोपण और अग्निवीर भर्ती मेला जैसे बड़े आयोजनों की तारीफ की और उन्होंने प्रांतीय जीवन में और युवाओं के रोजगार अवसरों को बढ़ाने में योगदान की चर्चा की। अंत में सांसद ने 24 मध्यप्रदेश बटालियन का निरीक्षण किया और सभी सदस्यों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

गणना में मिले 116 गिद्ध पिछले वर्ष की तुलना में 35 गिद्धों की संख्या में वृद्धि हुई

छिंदवाड़ा। प्रदेश व्यापी गिद्धों की गणना के प्रथम चरण में छिंदवाड़ा जिले के अंतर्गत वन क्षेत्र में प्रथम दिवस 17 फरवरी को तीनों मंडलों में गणना में पश्चिम छिंदवाड़ा वनमंडल की परिक्षेत्र तामिया एवं पूर्व मंडल की रेंज छिंदी , अमरवाड़ा,पूर्व हरई, पश्चिम हरई एवं पश्चिम बटका में विभिन्न प्रजाति के वयस्क तथा अवयस्क कुल 92 गिद्ध पाए गए इसी प्रकार गणना के द्वितीय दिवस 18 फरवरी को विभिन्न प्रजाति की 89 वयस्क तथा 5 अवयस्क कुल 84 गिद्ध पाए गए , 19 फरवरी को विभिन्न प्रजाति के 102 वयस्क तथा 14 अवयस्क कुल 116 गिद्ध पाए गए। तीनों दिनों की गणना के बाद छिंदवाड़ा वनव्रत के अंतर्गत 116 गिद्ध की संख्या पाई गई जबकि विगत वर्ष तीनों दिवस की गणना अनुसार 81 गिद्ध की संख्या पाई गई थी इस प्रकार 35 गिद्धों की संख्या में वृद्धि पाई गई है।

कांग्रेसजन ने छत्रपति शिवाजी महाराज को किया कोटि-कोटि नमन, अर्पित किये श्रद्धा के पुष्प

छिन्दवाड़ा। जननायक, मराठा साम्राज्य के शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती को कांग्रेस ने पूर्ण हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाई गई। शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगण, शहर कांग्रेस के पांच भागों के अध्यक्षगण सहित पदाधिकारी व कार्यकर्तागण एवं कांग्रेस के समस्त मोर्चा व संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में एकत्रित हुए। कांग्रेसजन सामूहिक रूप से ईएलसी चौक स्थित शिवाजी महाराज की आदमकद प्रतिमा स्थल पर पहुंचे, जहां कांग्रेस परिवार के सदस्यों ने वीर योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धा के पुष्प व पुष्पहार अर्पित कर उनके कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कांग्रेस के वक्ताओं ने आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज को बहादुर, बुद्धिमान, शौर्य से परिपूर्ण व महान राजा के रूप में पूजा जाता है।जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सर्वप्रथम शिवाजी महाराज को नमन किया साथ ही नगर व जिलेवासियों को माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी व कांग्रेस परिवार की ओर से शिवाजी जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि जिले का विकास कमलनाथ व नकुलनाथ ने किया है और आगे भी करते रहेंगे। वीर छत्रपति शिवाजी महाराज ने कम उम्र में ही धर्म की रक्षा का संकल्प लिया और उसे पूरा भी किया। उन्होंने अनेकों युद्ध लड़े और उनमें विजय भी प्राप्त की। अपना पूरा जीवनकाल धर्म की रक्षा में समर्पित कर दिया। शूरवीर शिवाजी महाराज का नाम इतिहास के पन्नों पर सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। धर्म व देश के लिये उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

भगवान भरोसे चल रहा है पुरतला का स्कूल

तामिया। विकासखंड के अंतर्गत झिरपा संकुल मैं अनहोनी मार्ग पर एक स्कूल ऐसा भी है जो भगवान भरोसे चल रहा है यह एक गंभीर समस्या है जो शासकीय प्राथमिक शाला पुरतला में पढ़ाई की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही है। यह दुखद है कि पांचवी कक्षा के बच्चों को हिंदी पढ़ने नहीं आता है, जो कि एक मूलभूत कौशल है। प्रधान अध्यापिका रीना रंगारे की जिम्मेदारी है कि वह स्कूल के बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें और उन्हें अच्छी शिक्षा प्रदान करें। लेकिन अगर वह अपने बच्चे को लेकर स्कूल आती हैं और उसी में व्यस्त रहती हैं, तो यह बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना है।शासन द्वारा प्रधान अध्यापिका को पूरी सैलरी देने का मतलब है कि वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए तैयार होनी चाहिए। लेकिन अगर वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर रही है, तो यह प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह इस मामले में ध्यान दें और आवश्यक कार्रवाई करें।

प्रशासन को कदम उठाने चाहिए

प्रधान अध्यापिका की जिम्मेदारियों की समीक्षा करें प्रशासन को प्रधान अध्यापिका की जिम्मेदारियों की समीक्षा करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर रही हैं। बच्चों की पढ़ाई की गुणवत्ता की जांच करेंट्ठ प्रशासन को बच्चों की पढ़ाई की गुणवत्ता की जांच करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। आवश्यक कार्रवाई करें अगर प्रधान अध्यापिका अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर रही है, तो प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए, जैसे कि प्रधान अध्यापिका को बदलना या अन्य आवश्यक कदम उठाना।

जिले में कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की सशक्त टीम तैयार

कार्य. अध्यक्ष सहित अन्य पदों पर हुई नियुक्तियां

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में नवनियुक्तियां की गई है। संगठन को और अधिक मजबूत करने हेतु नए सिरे से नियुक्तियां की जा रही। कांग्रेस संगठन से जुड़े पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे, गंगाप्रसाद तिवारी व गोविंद राय से चर्चा के उपरांत कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष बैजूलाल वर्मा के द्वारा जिला कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ छिन्दवाड़ा में समन्वयक, कार्य. अध्यक्ष व जिला कोषाध्यक्ष, जिला सचिव, शहर अध्यक्ष सहित अन्य पदों पर नियुक्ति की गई है। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में जिला समन्वयक पद की जिम्मेदारी सुरेश यदुवंशी को सौंपी है। जिला कार्य. अध्यक्ष एवं छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक व भाग दो के प्रभारी मनोज वानखेड़े मनोनीत किए गए। अनिल यादव जिला कार्य. अध्यक्ष एवं छिन्दवाड़ा निगम क्षेत्र के प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। गोकुल यदुवंशी को जिला कार्य. अध्यक्ष नियुक्त करने के साथ ही जुन्नारदेव विधानसभा का प्रभारी भी मनोनीत किया गया है। प्रदीप राय जिला कार्य. अध्यक्ष एवं परासिया विधानसभा प्रभारी, रमाकांत वर्मा को जिला कार्य. अध्यक्ष व अमरवाड़ा विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया है। अमित चौरसिया को जिला कार्य. अध्यक्ष नियुक्त करने के साथ ही चौरई विधानसभा का प्रभारी मनोनीत किया है। शरद नामदेव को जिला कोषाध्यक्ष, दिनेश महेदोले को जिला सचिव व अविनाश साव साहू को छिन्दवाड़ा शहर अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपनी नियुक्ति के प्रति माननीय कमलनाथ एवं माननीय नकुलनाथ सहित कांग्रेस के समस्त वरिष्ठजनों का हृदय से आभार माना है।

समाज एवं शासन के बीच सेतु का कार्य करता है जन अभियान परिषदः मोहन नागर

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष मोहन नगर जी (राज्य मंत्री दर्जा, म. प्र. शासन) का बुधवार को हुआ छिंदवाड़ा नगर आगमन पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक,समस्त ब्लाक समन्वयक एवम परार्मश दाताओं,नवांकुर एवम प्रस्फुटन समिति के प्रतिनिधि गण एवम समाजसेवियों सहित बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट ने बुके देकर किया भव्य स्वागत एवम जन अभियान परिषद के द्वारा किए जा रहे समाजसेवी कार्यों की जानकारी दी। जिसको सुनकर उपाध्यक्ष ने कार्यों की सराहना करते हुए बधाई दी।इसके पश्चात उपाध्यक्ष मोहन नागर ने जन अभियान परिषद के कार्यों की समीक्षा करते हुए बैठक को संबोधित किया, नागर ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन के मुखिया मुख्यमंत्री मोहन यादव के आदर्श ग्राम की परिकल्पना को लेकर जन अभियान परिषद समस्त बिंदुओं पर कार्य कर रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा गौ ग्राम एवं सोलर ऊर्जा से संचालित होने वाले पंपों के प्रचार प्रसार की बागडोर जन अभियान परिषद को सौपी है, जिसमें सभी आदर्श ग्रामों में सोलर ऊर्जा से संचालित पंपों का अधिकतम उपयोग करने हेतु प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर छिंदवाड़ा के नगर में प्रथम आगमन पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष द्वारा आज महाकौशल क्षेत्र के प्रवास दौरान छिन्दवाड़ा नगर में जिले के विकास खण्ड समन्वयकों व नवांकुर संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ मुख्यमन्त्री आदर्श वृन्दावन गाँव योजना, किसानों को सोलर एनर्जी को लेकर जागरूकता, जैविक कृषि और गौपालन से स्वावलम्बी ग्राम का विकास, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का पुनर्गठन, स्वेच्छिक संगठनों का प्रशिक्षण आदि विषयों पर समीक्षा कर चर्चा की।जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन ने उपाध्यक्ष को छिंदवाड़ा जिले में जन अभियान परिषद द्वारा नवांकुर एवम प्रस्फुटन समितियो के द्वारा गांव गांव में आदर्श ग्राम की परिकल्पना को पूरा करने पूरे मनायोग से जुटे है बताया साथ ही नशामुक्ति अभियान, स्वच्छता अभियान,जल संरक्षण के लिए बोरी बंधान कार्य, सहित शासन की समस्त योजनाओ के प्रचार प्रसार में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे है जिसकी प्रशंसा शासन भी समय समय पर करते रहता है ।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजनांतर्गत विवाह निकाह सम्मेलन 7 मार्च को

परासिया। नगर पालिका परिषद डोंगर परासिया के अध्यक्ष विनोद मालवीय के द्वारा नगर परासिया के नागरिकों को यह जानकारी प्रदाय की जा रही है कि मध्यप्रदेश शासन के घोषित प्रोग्राम के अनुसार नगर के समस्त पात्र अविवाहित युवक युवतियों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजनांतर्गत विवाह निकाह सम्मेलन दिनांक 7 मार्च को आयोजित किया जा रहा है जिसके फार्म नगरपालिका परासिया कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जा सकते हैं। एवं फार्मो को भरकर कार्यालयीन समय में दिनांक 28 फरवरी तक नगरपालिका कर्यालय में जमा किये जा सकते हैं। मध्यप्रदेश शासन की इस जनकल्याणकारी योजना मुख्य मंत्री कन्यादान योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारो को बेटियों की शादी के लिये अथिक सहायता देने की योजना एवं योजना के तहत घरेलू समान व शादी के खर्च के लिये अथिक सहायता दी जाती है जिसमे नगर पालिकाअध्यक्ष विनोद मालवीय ने लाभ अधिक से अधिक प्राप्त करने की अपील नगर के संपूर्ण नागरिकों से की गयी है।

न्यायालय तहसीलदार वृत्त-3, तहसील हुज़ूर, जिला भोपाल म.प्र.

प्रकरण क्रमांक-0686/अ-3/2024-2025
मौजा-**मुंगालिया छाप**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण प्रेम बाई बेवा लक्ष्मीनारायण दीनदयाल अखिलेश मधुकामिनी पुत्री लक्ष्मीनारायण महेश आत्मज मांगीलाल मिश्री बाई बेवा मांगीलाल पता मुंगालिया छाप तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र. के द्वारा भू-राजस्व सहिता 1959 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम मुंगालिया छाप प.ह.नं. भूमि खसरा क्रमांक 795/1 रकबा 1.1050 हे. खसरा 891/1 रकबा 0.6700 हे. खसरा 900/1 रकबा 0.4400 हे. खसरा 1061/823/1/1 रकबा 1.0680 हे. खसरा 1061/823/1/3 रकबा 0.6080 हे. खसरा 1073/890/1 रकबा 0.2679 हे. ग्राम मुंगालिया छाप भूमि का राजस्व नक्शे बटान अंकित करने का अनुरोध किया है।

2. उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रकरण में आगामी कार्यवाही हेतु पेशी दिनांक 25.02.2025 नियत की जाती है।

तहसीलदार
तहसील हुज़ूर भोपाल

उद्धवदास मेहता की पुण्यतिथि पर किया नमन :

भोपाल। सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, लोकतंत्र सेनानी एवं प्रख्यात आयुर्वेद चिकित्सक और समाज सेवी पंडित उद्धवदास मेहता की पुण्यतिथि पर आज कमला पार्क के सामने स्थित उनकी प्रतिमा पर सांसद आलोक शर्मा विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय सहित कई नेताओं ने श्रद्धांजलि देकर नमन किया।

20 फरवरी 1986: सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उद्धवदास मेहता की पुण्यतिथि

रमेश शर्मा

भाई उद्धवदास जी मेहता देश के उन विरले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में एक हैं जो दस वर्ष की बालवय में स्वाधीनता संघर्ष केलिये सामने आये और पन्द्रह वर्ष की आयु में बंदी बनाये गये। उनका सारा जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र की सेवा और संघर्ष में बीता।

स्वाधीनता के पूर्व जहाँ उनकी जेल यात्राएँ मानों घर आँगन हो गयीं थीं तो स्वाधीनता के बाद उनका जीवन समाज के संगठन, और संस्कृति की प्रतिष्ठापना के लिये समर्पित रहा। वे अपने जीवन में 1926 से 1949 के बीच कुल नौ बार गिरफ्तार हुये, कम आयु के कारण दो बार जंगल में छोड़ा गया और सात बार जेल भेजा गया। स्थानीय प्रशासन उनसे कितना रुष्ट था इस बात का अनुमान केवल इस बात से ही लगाया जा सकता है कि उन्हें उनकी बेटी के विवाह में कन्यादान करने केलिये पेरोल भी न मिला था वे हथकड़ी और बेड़ी में लाये गये और उसी अवस्था में भाई जी ने अपनी बेटी का कन्यादान किया। स्वाधीनता की अग्नि को प्रज्जवलित रखना उन्हें विरासत में मिला था। राष्ट्र की सेवा में उनकी अनेक पीढ़ियों का बलिदान हुआ था। संस्कृत और आयुर्वेद के विद्वान उनके दादा टीकाराम जी ने 1857 की क्राँति का अलख जगाने के लिये पूरे मालवा क्षेत्र में गाँव गाँव की यात्रा की थी। उसी संदर्भ यह परिवार भोपाल आया और यहीं 9 अगस्त 1911 को भाई उद्धवदास जी मेहता का जन्म हुआ। पिता बूलचंद जी भी आयुर्वेद चिकित्सक और संस्कृत के आचार्य थे। माता गेंदा बाई भी संस्कृतविद् और आयुर्वेद की जानकार थीं। जब भाई जी केवल सात वर्ष के थे तब 1918 में पिता का निधन हो गया। परिवार संचालन का दायित्व माता के कंधे पर आया उन्होंने अपने पति का औषधालय स्थावत रखा और बालक उद्धव दास को बालवय में ही परिपक्वता का बोध होने लगा।

भोपाल में तब का सामाजिक वातावरण तब दोहरे दबाव का था। भोपाल राज्य की जनता नबाब के आधीन थी और नबाब अंग्रेजों का। भोपाल रियासत इस्लाम केलिये बहुत कट्टर थी। अंग्रेजों का पोलिटिकल एजेन्ट सीहोर में रहता था। नबाब के माध्यम से अंग्रेजों के जुल्म से त्रस्त थी जनता। लेकिन गैर इस्लामिक समिज पर नबाब और उसके कारिन्दों का अतिरिक्त दबाव था। जिन दिनों भाई जी होश संभाल रहे थे उन दिनों देश के बंगाल, पंजाब, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र आदि अनेक स्थानो में स्वतंत्रता आंदोलन जोर पकड़ने लगा था। महात्मा गाँधी दक्षिण अफ्रीका से लौटकर स्वाधीनता के लिए अहिसंक आँदोलन का सूत्रपात कर चुके थे। गाँधी जी के अहिंसक आंदोलन का प्रभाव भोपाल में भी आया। यहाँ उस समय की पीढ़ी सक्रिय हो गयी थी, लेकिन खुलकर सामने आने में संकोच हो रहा था। फिर भी सीहोर रायसेन आदि क्षेत्रों में प्रभात फेरियाँ निकलने लगी थीं लेकिन भोपाल नगर में दबाब अधिक था। भोपाल में आर्यसमाज अस्तित्व में आ गई थी। जो सामाजिक जाग्रति और सांस्कृतिक मूल्यों के लिये काम कर रही थी। तब एक योजना बनी कि बच्चों की प्रभात फेरी निकाली जाये। यह काम बालक उद्धव दास मेहता को सौंपा गया। सब लोगों ने माता गेंदाबाई से बात की फिर बालक उद्धव दास मेहता को समझाया। यह बात 1921 की है। तब भाई उद्धवदास जी मेहता मात्र दस वर्ष के थे और छठवीं कक्षा के विद्यार्थी। कक्षा और विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को निकाल कर प्रभात फेरी निकालने की योजना बनी। भाई उद्धवदास जी मेहता ने यह काम बड़ी खूबी से किया। उनकी पहल पर विद्यालय के अधिकांश विद्यार्थी सम्मिलित हुये। यह समाचार आग की भाँति पूरे क्षेत्र में फैला और सूचना गाँधी जी को भी भेजी गयी। इससे परिवार पर बहुत दबाब बना। परिवार को धमकियाँ मिलने लगीं। प्रशासन और नबाब समर्थकों की नजर में बालक उद्धव खटकने लगा। माता को चिंता हुई। जैसे तैसे छठवीं कक्षा उत्तीर्ण की और माता ने पढ़ने के लिये बनारस भेज दिया। वे बनारस में चार वर्ष रहे। इन चार वर्षों में जहाँ उन्होंने संस्कृत के आचार्य और आयुर्वेद आचार्य दोनों परीक्षा उत्तीर्ण की नहीं की अपितु राष्ट्रभाव से संबंधित पाठ भी वहीं पढ़े। वे अवकाश के दिनों में चार साल बाद 1926 में भोपाल लौटे। इसी वर्ष उनका विवाह शकुन्तला देवी से हुआ। शकुन्तला देवी के पिता पं हजारीलाल जी मेहता भी संस्कृत और आयुर्वेद की पृष्ठभूमि के थे। यह संस्कार शकुन्तला देवी में भी थे। इस कारण भाई जी को पूरा सहयोग मिला और समाज सेवा के लिये वे अपना समय निकाल सके। जिन दिनों भाई जी बनारस में थे उन चार वर्षों में भोपाल के वातावरण में बड़ा परिवर्तन आया। भोपाल नबाब ने अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति पर अमल करते हुये हिन्दु और मुसलमानों को लड़ाना आरंभ कर दिया। कुछ लोगों को बाहर से लाकर बसाया जाने लगा तथा गुंडागर्दी के नाम पर कुछ लोगों को छूट दी गयी। इसके मुकावले के लिये भाईजी ने नौजवानों की एक टोली तैयार की जो इस तरह के असमाजिक तत्वों से सामना कर सके। इस टोली ने 1926 भोपाल स्टेशन पहुँच कर ट्रेन में गाँधी जी एक पत्र दिया जिसमें भोपाल के हालात का वर्णन था। गाँधी जी की सलाह पर भाई जी के नेतृत्व नौजवानों ने एक ज्ञापन उस समय के अपराध नियंत्रक मोहम्मद अली को सौंपा। मोहम्मद अली ने बात सुनने और समझने की

स्वतंत्रता के बाद समाज-संस्कृति प्रतिष्ठा का संघर्ष..

बजाय गिरफ्तार करने के आदेश दे दिये। पाँच नौजवान पकड़े गये। दो दिन कैद में भूखा रखा और फिर जंगल में छोड़ दिया गया। यह भाई जी की पहली गिरफ्तारी थी तब उनकी आयु केवल पन्द्रह वर्ष थी। घटना से माताजी चिंतित हुईं और उन्होंने अवकाश के दिन शेष रहने के बाद भी वापस बनारस भेज दिया। इस बार भाईजी ने अपनी पढ़ाई के साथ मन स्वाधीनता संघर्ष का संकल्प लिया और ऐसा साहित्य संकलन आरंभ किया जिससे उनकी संकल्पशक्ति और सशक्त बने। इनमें स्वामी दयानंद, विवेकानंद, तिलकजी, सावरकर जी और मदनमोहन मालवीय जैसे महामनाओं साहित्य था। इस साहित्य से जहाँ उन्हें संकल्प शक्ति मिली वहीं गाँधी जी का अहिंसा पर अडिग रहकर काम करने का मार्ग अपनाया। भाई जी ने भोपाल में घटी घटनाओं का विवरण तैयार किया और पत्र भेजकर काँग्रेस आर्य समाज तथा अन्य प्रमुख लोगों को अवगत कराया। एक वर्ष पश्चात 1927 में अवकाश के दिनों में पुनः भोपाल आये। अपनी इस यात्रा में भोपाल के उन पीड़ितों से मिले जिन्हें नबाब के धार्मिक कानून के बहाने असामाजिक तत्व उत्पीड़ित किया करते थे। भाई जी ने इस कानून का विवरण और पीड़ितों के नाम गाँधी जी को भेजे। 1928 में वे तीसरी बार अवकाश पर भोपाल आये और आर्यसमाज के सहयोग से उन पाँच स्त्रियों का शुद्धिकरण किया जिनका अपहरण और बलात्कार हुआ था। इस घटना के कारण वे पुनः गिरफ्तार कर लिये उनके आचरण को धर्म विरोधी माना गया। तथा ईशनिंदा कानून की धारा लगी। उनके साथ गिरफ्तार होने वालों में मास्टर लाल सिंह, शिवनारायण जी वैद्य, विट्ठल दास, मूलचंद ललवानी, भाऊलाल, भगवान दीन, राजेन्द्र वर्मा आदि कुल बारह लोग थे। भाई जी को आयु का लाभ मिला उन्हे छोड़ दिया गया अन्य सभी छै माह बाद ही जेल से छूट सके। 1929 में गाँधी जी की भोपाल यात्रा हुई। बेनजीर मैदान में सभा हुई और वे लोगों से भी मिले। भाई उद्धवदास जी मेहता सहित एक प्रतिनिधि मंडल ने गाँधी जी से भेंट की और उस ईशनिंदा कानून से अवगत कराया जिसके बहाने भोपाल में गैर मुस्लिम समाज पर अत्यचार होने लगे थे। गाँधी जी सहमत हुये उन्होंने भोपाल नबाब को समझाया और लेख भी लिखा। गाँधी जी सलाह पर नबाब ने वह कानून बदला। इस तरह भाई उद्धवदास जी मेहता की रणनीति और संघर्ष के चलते नबाब को ईशनिंदा कानून बदलना पड़ा।

1931 में भाई जी अपनी पढ़ाई पूरी करके बनारस से भोपाल में लौटे। उन्होंने अपने पूर्वजों की विरासत अपना औषधालय तो संभाला ही साथ ही सामाजिक जाग्रति अभियान भी छेड़ दिया। उन्होंने शिवनारायण जी वैद्य के साथ मिलकर एक संस्था हिन्दु सेवा संघ का गठन किया और एक सामाजिक समरसता सम्मेलन आयोजित किया जिसमें सभी वर्गों, उपवर्गो और जातियों के प्रतिनिधियों को बुलाया। और हर मोहल्ले में व्यायाम शालाएँ स्थापित करने का अभियान छेड़ा ताकि असामाजिक तत्वों के हमलों पर स्वयं की सुरक्षा की जा सके। इसी वर्ष भाई जी और कुछ अनय प्रमुख जनों ने मुम्बई जाकर सावरकर जी भेंट की और भोपाल लौटकर हिन्दु महासभा की इकाई का गठन किया, जिसके मंत्री भाई उद्धवदास जी मेहता बने।

1932 में भाई जी ने मंदिर कमाली परिसर में हनुमान व्यायाम शाला आरंभ की। एक वर्ष के भीतर चार व्यायाम शालाओ की शुरुआत हो गयी, मंदिर कमाली के अतिरिक्त एक व्यायाम शाला बड़बाले महादेव मंदिर, एक लखेरापुरा और एक भोईपुरा में आरंभ हुई। तभी 1934 बीच सड़क से एक महिला के अपहरण और बलात्कार की घटना घटी। भाई जी ने सभाएं कीं आंदोलन शुरु किया। भाई जी सहित सभी व्यायाम शाला संचालक बंदी बना लिये गये। व्यायाम शालाएँ बंद हो गयीं। रिहाई 15 दिन बाद हो सकी। रिहाई के बाद भाई जी ने तीन काम किये। एक तो पुनः व्यायाम शालायें आरंभ करवाई और दूसरा समाचार पत्र प्रकाशन आरंभ किया। जिसका नाम ÷प्रजा पुकार÷ था। भाई जी इसके प्रकाशक बने। इस समाचार पत्र में अंग्रेजों और नबाब शासन के अत्यचारो का समाचार छपते। तीसरा काम एक विशाल हिन्दू सम्मेलन आरंभ किया। वस्तुतः भाईजी की नीति या आंदोलन का रास्ता साम्प्रदायिक नहीं था लेकिन वे भोपाल शासक और अंग्रेजों के समान धार्मिक आधार पर भेदभाव बंद करने और सभी नागरिकों को समान अधिकार के लिये संघर्ष कर रहे थे। भाई जी पुनः गिरफ्तार हुये और इस बार उन्हें जेल से छूटने में तीन माह लगे। 1936 में प्रजा पुकार में छपे एक समाचार के कारण पुनः गिरफ्तार हुये, इस बार सात दिन बाद जमानत पर रिहा हो सके। 1937 में सभी नागरिकों को समान अधिकार के लिये आंदोलन किया बंदी बनाये गये। इस बार जेल से बाहर आने में छै माह लगे। इस आँदोलन में पुलिस प्रताड़ना के चलते एक आँदोलन कारी भगवान दास राठी का जेल में ही निधन हो गया।

1937 में सामाजिक जागरण के लिये सार्वजनिक रूप से गणपति उत्सव मनाने का निर्णय हुआ लेकिन अनुमति न मिली। तब प्रतीक के तौर पर पीपल चौक में भाई जी ने एक निजी दुकान लेकर गणपति जी की स्थापना की। जिसमें भजन कीर्तन पर तो पावंदी रही पर दर्शन खुले में होते। फिर 1938 में सार्वजनिक रूप से रंगपंचमी बनाने की तैयारी की गयी। भाई जी पुनः गिरफ्तार हुये और एक माह बाद रिहा हो सके।

1940 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना की गई और भाईउद्धवदास जी मेहता नगर संघचालक बने। 1942 में गांधी जी के अव्हान पर सीहोर जाकर अंग्रेजों भारत छोड़ो आन्दोलन का संयोजन किया। इस आँदोलन में सभी राजनैतिक दलों, मत मतान्तरो के लोग समम्लित हुये। गिरफ्तार किये गये। 1946 में मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन में हिन्दु समाज को हुये नुक्सान का व्यौरा तैयार किया और सरदार वल्लभभाई पटेल को सौंपा। इसका विवरण पं जवाहरलाल नेहरु को भी दिया। भाई जी की मुलाकात नेहरु जी न हो सकी विवरण ज्ञापन उनके सचिव को सौंपा। 1947 में भारत स्वतंत्र हुआ पर भोपाल नबाब ने न केवल भोपाल को स्वतंत्र करने से इंकार कर दिया बल्कि भोपाल रियासत को पाकिस्तान में मिलाने की खुली घोषणा कर दी। भाई उद्धवदास जी मेहता ने इसके विरुद्ध सीहोर में एक बड़ी बैठक का आयोजन किया। बैठक गौरीशंकर जी समाधिया के निवास पर हुई। संघर्ष के लिये बनी सर्वदलीय समिति के संयोजक भाई उद्धवदास जी मेहता बनाये गये। 1948 में गाँधी जी की हत्या हुई। नबाब को बहाना मिला। फरवरी 1948 में पूरी रियासत में हिन्दु महासभा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संघ से संबंधित लोगों की सामूहिक गिरफ्तारी हुई। इससे विलीनीकरण आँदोलन में गतिरोध आया। भाई जी रिहाई छै माह बाद रिहा हो सके। रिहाई के बाद भोपाल रियासत को भारतीय गणतंत्र में विलीन करने के आँदोलन में पुनः जुट गये। भाईजी ने अनशन किया। इस अनशन से चेतना जाग्रत हुई और पूरी रियासत में विलीनीकरण आंदोलन पुनः तीव्र हुआ। अंततः जून 1949 में भोपाल रियासत भारतीय गणतंत्र में विलीन हुई तब भाई जी ने पहली बार हिन्दु उत्सव समिति को व्यवस्थित रूप देकर पीपल के नीचे गणेशोत्सव मनाने की परंपरा आरंभ की। और इसी वर्ष सार्वजनिक दशहरा उत्सव को भव्यता मिली।

1956 में मध्यप्रदेश का गठन हुआ तब भोपाल को राजधानी बनाने के लिए भाई जी ने अनशन किया और भाई जी के आग्रह पर डा शंकरदयाल शर्मा ने एक प्रतिनिधि मंडल के साथ नेहरूजी से भेंट की और भोपाल मध्यप्रदेश की राजधानी बना। 1962 में चीन आक्रमण के समय सामाजिक जाग्रति के लिये सर्वदलीय समिति बनी जिसके संयोजक भाई उद्धवदास जी मेहता बनाये गये। इस समिति में काँग्रेस जनसंघ, हिन्दु महासभा आदि सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि थे। 1965 में पाकिस्तानी आक्रमण के समय भी पुनः सर्वदलीय समिति बनीं जिसके संयोजक भाई उद्धवदास जी मेहता ही बने। 1967 में भाईजी हिन्दु महासभा छोड़कर भारतीय जनसंघ के सदस्य बने। श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भोपाल आकर भाई जी को जनसंघ की सदस्यता दिलाई थी। 1972 में तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश चंद सेठी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में उनका सम्मान किया। 1973 में महंगाई विरोधी आँदोलन के लिये गठित सर्वदलीय समिति के संयोजक भी भाई उद्धवदास बने। 1975 में आपातकाल लागू हुआ और भाई जी गिरफ्तार कर लिये गये। उन दिनों उनका स्वास्थ्य खराब था। उनकी गिरफ्तारी का समाचार मुख्यमंत्री प्रकाश चंद सेठी जी को मिला तो उन्होनें तुरन्त रिहा करने के आदेश दिये। भाईजी को गले के कैंसर ने जकड़ लिया था। जिस प्रकार उनका जीवन कभी जेल, तो कभी घर में बीता वैसे ही उनके जीवन का अंतिम समय कभी अस्पताल तो कभी घर में बीता। 1983 के बाद स्वास्थ्य में भारी गिरावट आई। उनका अधिकांश समय विस्तर पर बीता। उन दिनों उनसे मिलने आने वालों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक बाला साहब देवरस जी, डा शंकरदयाल शर्मा, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, बद्रिकाश्रम के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद जी आदि प्रमुख थे। और 20 फरवरी 1986 को उन्होने संसार से विदा ली। भोपाल में भाई उद्धवदास मेहता अकेले ऐसे समाज सेवी थे जिनका आदर राजनैतिक सीमाओं से ऊपर था। हर छोटी बड़ी सामाजिक समस्या पर सभी प्रमुख लोग उन्ही से संपर्क रखते थे। और उनकी राय अंतिम हुआ करती थी। ऐसे महान समाज सेवी और स्वाधीनता संग्राम सेनानी भाई जी साहब को शत शत नमन।

आज आईएसबीटी स्थित मेरे कार्यालय पर स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत स्वच्छता एवं सिटिजन फीडबैक से संबंधित जोनल अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली बैठक समस्त जोनल अधिकारी उपस्थित रहे

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान कल पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 12 बजे जटाशंकर छतरपुर जिले में जल सखियों के सम्मेलन में शामिल होंगे जल सखी विगत कुछ दिनों से ओरछा निवाड़ी जिले से जटाशंकर जिले की पैदल यात्रा में हो जो कल जटाशंकर में समाप्त होगी ।जल सखी बुंदेलखंड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं जल संचयन की दिशा में काम कर रही है

दत्त मंदिर में आज श्री गजानन महाराज का प्रकट दिन मनाया गया बड़ी संख्या में बहनों ने भाइयों ने गजानन महाराज की पोती पड़ी इसमें 21 अध्याय रहते हैं और मनाचे श्लोक जो समर्थ स्वामी महाराज के रहते हैं उनका वाचन किया गया और अब आरती होगी उसके बाद खास आज के प्रसाद का महत्व यह है कि इसमें भाकरी और झुमका यह बनता है और मोदक का नवोदय चढ़ाया जाता है यह गजानन महाराज को बहुत प्रिय था तो इसी का प्रसाद आज इसका आप चढ़ाया जाता है बहुत महत्व इस प्रसाद का आरती होगी इसके पश्चात हम इस प्रसाद का वितरण करेंगे और पूजा अर्चना की और रुद्राक्ष किया गया और अभिषेक हुआ अध्यक्ष रोहिणी शिंदेकर और सचिव रविंद्र गौर समाज के लोग उपस्थित थे अनायासी आज इस दिन गुरुवार आया है तो प्रतीक गुरुवार दत्ता मंदिर में प्रातः 9 बजे से 12 तक लघु रुद्राभिषेक होता है अनेक ब्राह्मण की उपस्थिति रही।